MT® MUMBAI TARANG

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-04 ❖ अंक-04 ❖ मुंबई ❖ रविवार 15 से 21 जनवरी 2023 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

पेज 3
महाराष्ट्र में उठी समान नागरिक कानून बनाने की मांग

पेज 5
आरपीएफ का यात्रियो हेतु अखिल भारतीय अभियान

पेज 7
प्रियंकाचोपड़ा ने वास्तव में पिकाडिली सर्कस हॉट स्पॉट को चमका दिया है

पेज 8
तमिलनाडु के राज्यपाल सूट-बूट वाले कोश्यारी, ठाकरे सरकार में पापड़ की तरह तड़तड़ाते थे...बोले राउत

एक नजर

सरकार ने 'MBBS इंटर्नशिप' पूरी करने की तिथि बढ़ाई

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को 'एमबीबीएस इंटर्नशिप' पूरी करने की तिथि बढ़ाकर 30 जून की। एक आधिकारिक नोटिस में यह जानकारी दी गई। इससे पहले उम्मीदवारों के लिए एक साल की अनिवार्य इंटर्नशिप पूरी करने की अंतिम तारीख 31 मार्च, 2023 थी। भारतीय चिकित्सा संघ, छात्र संघ निकायों, संभावित उम्मीदवारों और कई राज्य प्राधिकरणों ने मंत्रालय से पात्रता तिथि को 30 जून, 2023 तक बढ़ाने का आग्रह किया था। आयुर्विज्ञान राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीईएमएस) द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है कि नीट-स्नातकोत्तर, 2023 आगामी पांच मार्च को आयोजित होने वाली है और ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 27 जनवरी, 2023 है। सूत्रों ने बताया कि अब छात्रों और उनके परिजनों द्वारा यह भी अनुरोध किया जा रहा है कि अगर एमबीबीएस इंटर्नशिप पूरी होने की तारीख बढ़ाई गई है तो नीट-स्नातकोत्तर परीक्षा की तारीख भी बढ़ा दी जाए।

तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई को जेड श्रेणी की सुरक्षा

नई दिल्ली। केंद्र ने तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष के. अन्नामलाई की सशस्त्र वीआईपी सुरक्षा को बढ़ाकर जेड श्रेणी का कर दिया है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। जेड श्रेणी सुरक्षा घेरे के तहत लगभग 30 कमांडो की एक टीम सुरक्षा प्राप्त व्यक्ति के साथ उसके ठहरने के स्थान पर और जब भी वह कहीं जाता है, पालियों में चौबीस घंटे तैनात रहती है। सूत्रों ने कहा कि केंद्रीय खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट में भाजपा तमिलनाडु प्रमुख के सुरक्षा घेरे को राज्य पुलिस सुरक्षा के साथ-साथ एक्स श्रेणी से बढ़ाकर जेड श्रेणी करने की बात कही गई थी। सूत्रों के मुताबिक नए सुरक्षा घेरे के तहत आईपीएस अधिकारी से नेता बने 38 वर्षीय अन्नामलाई को उनके काफिले में एक पायलट और एस्कॉर्ट वाहन रखने के लिए अधिकृत करेगा।

SII ने शुरू की मुफ्त कोविशील्ड टीकों की आपूर्ति, सरकार को पहली खेप में भेजीं 80 लाख खुराकें

कई देशों में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने एलान किया है कि वह केंद्र सरकार को कोविशील्ड टीके की मुफ्त आपूर्ति करता रहेगा। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि एसआईआई ने शनिवार को केंद्र को कोविशील्ड की मुफ्त आपूर्ति शुरू की और पहली खेप में 80 लाख खुराक भेजी गई। कोरोना के खिलाफ टीकाकरण अभियान शुरू होने के बाद से वैक्सीन निर्माता कंपनी सरकार को अबतक कोविशील्ड की 170 करोड़ खुराकें दे चुकी है।

एक आधिकारिक सूत्र ने बताया कि एसआईआई में सरकार और नियामक मामलों के निदेशक प्रकाश कुमार सिंह ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने जिक्र किया था कि पुणे स्थित फर्म भारत सरकार को 410 करोड़ रुपये लागत के कोविशील्ड वैक्सीन की दो करोड़ खुराकें मुफ्त देगी।

पंकजा मुंडे को उद्धव गुट ज्वाइन करने का खुला ऑफर दिया गया

उद्धव गुट के विधायक ने कहा कि पंकजा के साथ बीजेपी अन्याय कर रही है

मुंबईः महाराष्ट्र की पूर्व मंत्री और बीजेपी नेता पंकजा मुंडे क्या बीजेपी छोड़कर उद्धव ठाकरे गुट में शामिल होंगी? दरअसल उद्धव ठाकरे गुट के विधायक सुनील शिंदे और चंद्रकांत खैरे ने पंकजा को पार्टी में आने का खुला ऑफर दिया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी में पंकजा मुंडे पर अन्याय हो रहा है। खैरे ने कहा कि स्वर्गीय गोपीनाथ मुंडे की वजह से मराठवाड़ा और महाराष्ट्र में बीजेपी (BJP) का वर्चस्व बढ़ा था। खैरे ने कहा कि सुनील शिंदे भले ही छोटे पदाधिकारी हो लेकिन उनकी कुछ तो बात जरूर उद्धव ठाकरे से हुई होगी। जिसमें उन्होंने पंकजा मुंडे के साथ हो रहे अन्याय के बारे में उन्हें बताया होगा। उद्धव ठाकरे ने भी कहा है कि पंकजा मुंडे के लिए हमारी पार्टी के दरवाजे हमेशा खुले हुए हैं। उन्हें हमारे दल में आना चाहिए। उद्धव गुट के नेताओं ने कहा कि पंकजा मुंडे एक बड़ी पार्टी की बड़ी नेता है। उनकी पार्टी में उनके साथ भेदभाव किया जा रहा है। यह स्पष्ट रूप से नजर आता है। पंकजा मुंडे के नेतृत्व को हम सलाम करते हैं। हालांकि, इस मुद्दे पर महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि पंकजा मुंडे बीजेपी छोड़कर कहीं नहीं जाएंगी। वह अपनी पार्टी में ही काम करेंगी, मुझे इस बात का पूरा भरोसा है। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मातोश्री के दरवाजे अगर पंकजा मुंडे के लिए खुले भी होंगे तो भी वह कभी वहां नहीं जाएंगी। क्योंकि उनका असली घर बीजेपी ही है। इसलिए ख्याली पुलाव पकाना बंद करें। उद्धव गुट के नेताओं का यह स्टेटमेंट महज एक राजनीतिक स्टेटमेंट बन के रह जाएगा। हालांकि, अभी तक इस ऑफर पर पंकजा मुंडे ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। बीजेपी में पंकजा को क्यों नहीं मिल रहा मौका? कुछ दिनों पहले नासिक में एक कार्यक्रम के दौरान पंकजा मुंडे से जब पत्रकारों ने पूछा कि आखिर आप को बीजेपी में मौका क्यों नहीं दिया जा रहा? जिस पर उन्होंने कहा कि इस सवाल का जवाब तो वही लोग दे सकते हैं जिनके पास में किसी को मौका देने की हैसियत है।

नितिन गडकरी के दफ्तर को बम से उड़ाने की धमकी

दाऊद गैंग के नाम से लैंडलाइन पर तीन बार थ्रेट कॉल

मुंबईः केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को एक धमकी भरा फोन आया है, जिसमें उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई है। यह फोन कॉल नितिन गडकरी के कार्यालय के लैंडलाइन नंबर पर आया है। फोन करने वाले अज्ञात व्यक्ति ने गडकरी को धमकी दी है। यह भी कहा है कि उनके कार्यालय को बम से उड़ा दिया जाएगा। धमकी देने वाले शख्स ने तीन बार लैंडलाइन पर फोन किया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए इस बात की शिकायत नागपुर पुलिस से कर दी गई है। फिलहाल नागपुर पुलिस मामले की तफ्तीश में जुटी हुई है। फिलहाल गडकरी के घर और कार्यालय की सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है। सूत्रों की माने तो फोन करने वाले शख्स ने 100 करोड़ रुपये का एक्सटॉर्शन मांगा है, पैसे न देने पर जान से मारने की धमकी दी है। साढ़े 11 से साढ़े 12 के बीच तीन बार धमकी धमकी भरा यह फोन कॉल आज सुबह तकरीबन 11:30 बजे के आसपास दो बार आया। जिस कार्यालय में यह धमकी भरा फोन आया है वह नितिन गडकरी का जनसंपर्क कार्यालय है। जो कि नागपुर के खामला चौक पर मौजूद है। इस बात की पुष्टि खुद स्थानीय पुलिस और नितिन गडकरी के कार्यालय द्वारा की गई है। सुबह पहला फोन कॉल पहला धमकी भरा फोन कॉल सुबह 11:29 पर आया, उसके बाद दूसरा फोन कॉल 11:35 पर आया और तीसरा फोन कॉल दोपहर 12:32 पर आने की जानकारी सामने आई है। धमकी देने वाले ने दाऊद इब्राहिम गैंग का नाम लिया है। इसके बाद महाराष्ट्र एटीएस भी मामले की जांच में जुटी हुई है।

स्कूल की फीस देने में चूके अभिभावक, प्रिंसिपल ने बच्चे को यूनिट टेस्ट देने से रोका, मामला दर्ज

मुम्बई, दादर से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने लोगों को हैरान कर दिया है। दरअसल, पुलिस ने शनिवार को एक स्कूल के प्रिंसिपल और टीचर के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इन दोनों ने एक 8 साल के बच्चे को यूनिट टेस्ट नहीं देने दिया जिसका कारण ये था कि उस बच्चे ने स्कूल की फीस नहीं दी थी। फिलहाल किसी की गिरफ्तारी नहीं की गई है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। सभी बच्चों से अलग बैठाया शुक्रवार को दादर पुलिस के पास एक व्यक्ति अपने बच्चे के स्कूल प्रिंसिपल और शिक्षक के खिलाफ केस दर्ज कराने के लिए पहुंचा। अभिभावक ने बताया कि वो स्कूल की फीस नहीं चुका पाया था जिसके कारण उसके बच्चे को स्कूल में यूनिट टेस्ट देने से मना कर दिया गया है। पुलिस अधिकारी ने पिता की शिकायत का हवाला देते हुए कहा, "उसे अपमानित करने के लिए कक्षा में अन्य छात्रों से अलग बैठाया गया था।" किशोर न्याय अधिनियम की धारा 75 के तहत मामला दर्ज

पुलिस ने किशोर न्याय अधिनियम की धारा 75 के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। यदि कोई व्यक्ति किसी बच्चे को अपने नियंत्रण में रखता है, हमला करता है, छोड़ देता है, दुर्व्यवहार करता है या जानबूझकर उसकी उपेक्षा करता है तो उसे इस धारा के तहत सजा सुनाया जाता है। आपको बताते चलें, इस स्कूल ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई क्रिकेटरों को खलने के लिए सक्षम बनाया है।

बागी सत्यजीत तांबे को समर्थन नहीं देगी कांग्रेस

नाना पटोले ने कहा-घर तोड़ने में जुटी BJP

मुंबईः नासिक ग्रेजुएट सीट पर होने वाले चुनाव में जिस तरह से कांग्रेस के अधिकृत उम्मीदवार सुधीर तांबे ने नाम वापस लेकर अपने बेटे सत्यजीत को आगे किया, उससे कांग्रेस को जोर का झटका लगा है। महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता भौचक्के रह गए हैं। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि इस घटनाक्रम की पूरी जानकारी हाईकमान को दे दी गई है। जल्द ही इस पर निर्णय लिया जाएगा। पटोले ने साफ कहा कि बागी उम्मीदवार सत्यजीत तांबे को कांग्रेस का समर्थन नहीं मिलेगा। हाईकमान के निर्देश के बाद तांबे पर अगली कार्रवाई की जाएगी। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष पटोले ने कहा कि पार्टी ने सुधीर तांबे को नॉमिनेट किया था, लेकिन उन्होंने पार्टी के साथ धोखा दिया है। उन्होंने कांग्रेस के साथ दगाबाजी की है। अस्पताल में भर्ती बाला साहेब थोरात से संपर्क करने के बाबत पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि फिलहाल थोरात से उनका कोई संपर्क नहीं हुआ है। बीजेपी पर घर तोड़ने का आरोप लगाते हुए नाना ने कहा कि जिस दिन बीजेपी का घर उजड़ेगा, तब उन्हें पता चलेगा। इधर, सत्यजीत ने कहा कि एक तकनीकी समस्या के कारण, दो नामांकन पत्र दाखिल किए हैं।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने 11 एफआईआर दर्ज करने पर पुलिस को फटकार

पूर्व सांसद आनंद परांजपे के खिलाफ पुलिस ने दर्ज की 11 एफआईआर

मुंबईः बॉम्बे हाई कोर्ट ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ प्रदर्शन करने पर एनसीपी नेता और पूर्व सांसद आनंद परांजपे के खिलाफ 11 एफआईआर दर्ज किए जाने को लेकर महाराष्ट्र पुलिस को कड़ी फटकार लगाई है।

न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति पी.के. चव्हाण की पीठ ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि पुलिस तभी सबक सीखेगी, जब उन पर जुर्माना लगाया जाएगा और उसका भुगतान उन्हें अपने वेतन से करने का निर्देश दिया जाएगा। बता दें कि परांजपे ने ठाणे जिले में मुख्यमंत्री के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। इसके बाद 12 दिसंबर 2022 को श्रीनगर पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ एक एफआईआर दर्ज की गई थी। शिंदे के समर्थकों ने विभिन्न पुलिस स्टेशनों में 10 और एफआईआर दर्ज कराई थी। परांजपे ने सभी एफआईआर को एक साथ जोड़ने के अनुरोध को लेकर हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की थी। एनसीपी नेता की ओर से पेश वकील सुहास ओक और विनोद उतेकर ने कहा कि 11 एफआईआर एक कारण से उत्पन्न हुई है, जो राजनीतिक आंदोलन है। सरकारी वकील शिंदे ने कहा कि परांजपे के खिलाफ दर्ज अपराध जमानती हैं और वह सभी मामलों में जमानत के लिए आवेदन कर सकते हैं। अतिरिक्त लोक अभियोजक प्राजक्ता शिंदे ने पीठ को बताया कि पुलिस 18 जनवरी तक सभी 11 एफआईआर में परांजपे के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करेगी, जब मामले की अगली सुनवाई होगी।

सोशल मीडिया से पहुंचा जा सकेगा पुलिस तक

फडणवीस ने किया एमईआरएस प्रणाली का उद्घाटन

मुंबई। अब आप सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए महाराष्ट्र पुलिस तक पहुंच सकेंगे। प्राथमिक और द्वितीय संपर्क केंद्र डायल 112 कार्यप्रणाली में अब व्हाट्सएप, ट्विटर, फेसबुक, ई-मेल आदि सोशल मीडिया के माध्यम से प्राप्त होने वाली शिकायतों को शामिल किया गया है। महाराष्ट्र इमरजेंसी रिस्पांस टीम (एमईआरएस) प्रणाली का उद्घाटन उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को पुणे में किया। फडणवीस ने इस प्रणाली का उद्घाटन राज्य में अपराध और कानून-व्यवस्था की स्थिति पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के सम्मेलन में किया। इस सिस्टम को महाराष्ट्र पुलिस और महिंद्रा डिफेंस सर्विसेज ने संयुक्त रूप से विकसित किया है।

अभी तक इस सिस्टम के जरिए करीब साढ़े ग्यारह लाख शिकायतों का निपटारा किया जा चुका है। इसमें अभी तक ढाई लाख शिकायतें महिलाओं से जुड़ी हुई थी। इस प्रणाली से औसतन हर रोज 19 हजार कॉल स्वीकार की जाती है तथा 2 हजार 800 शिकायतों का निपटारा किया जाता है। अब इसमें महाराष्ट्र पुलिस के सिटीजन पोर्टल, एसओएस, फेसबुक, ई-मेल, सिटीजन मोबाइल ऐप, ट्विटर और व्हाट्सएप आदि के माध्यम से प्राप्त शिकायतों को भी शामिल किया गया है, ऐसे में शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जाएगा।

सोशल मीडिया के माध्यम से प्राप्त होने वाली शिकायतों और इस पर त्वरित प्रतिक्रिया देने के लिए मैन पावर को प्रशिक्षित किया गया है। इससे पीड़ित तक तत्काल मदद पहुंच सकेगी। 112 महाराष्ट्र के ट्विटर और फेसबुक पर हैंडल हैं। अन्य विवरण महाराष्ट्र पुलिस की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

इससे नागरिक अब सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं और पुलिस से तत्काल मदद ले सकते हैं। पुणे में पत्रकारों से बातचीत करते हुए फडणवीस ने कहा कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के सम्मेलन में राज्य में अलग-अलग अपराधों की स्थिति और इस पर पुलिस के रिस्पांस, अपराध बढ़ने के कारणों की समीक्षा की गई।

सर्वोच्च तो संविधान है

देश के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के साथ लोकसभा के स्पीकर ओम बिड़ला ने बुधवार को जयपुर में जिस तरह से विधायिका के कार्यक्षेत्र में न्यायिक अतिक्रमण का सवाल उठाया, वह सामान्य नहीं है। दोनों ने पीठासीन अधिकारियों के दो दिवसीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही कि जिस तरह से विधायिका न्यायिक फैसले नहीं दे सकती, उसी तरह न्यायपालिका को भी कानून बनाने का अधिकार हड़पने की कोशिशों से बचना चाहिए। ध्यान रहे, राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ खुद एक अच्छे वकील रहे हैं और सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस भी कर चुके हैं। ऐसे में उनका यह कहना मायने रखता है कि संविधान की बुनियादी संरचना की अक्षुण्ता से जुड़े बहुचर्चित केशवानंद भारती मामले में दिया गया सुप्रीम कोर्ट का फैसला गलत परंपरा स्थापित करता है। उनकी दलील है कि लोकतंत्र में संसद सर्वोच्च है। ऐसे में संसद में पारित किए गए कानून को कोई दूसरी संस्था अमान्य करार दे तो फिर संसदीय सर्वोच्चता रह कहां

जाती है। विधायिका के दो सर्वोच्च पदाधिकारियों की ओर से कही जा रही इन बातों का तात्कालिक संदर्भ जजों की नियुक्ति को लेकर चल रही बहस का है। इससे जुड़े नैशनल जुडिशल अपॉइंटमेंट कमिशन (एनजेएसी) एक्ट को असंवैधानिक बताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 2015 में खारिज कर दिया था। उपराष्ट्रपति धनखड़ पहले भी उस फैसले की आलोचना कर चुके हैं। लेकिन दिक्कत यह है कि विधायिका के अधिकारों की रक्षा का हवाला देते हुए संसदीय सर्वोच्चता की जो व्याख्या की जा रही है, वह जाने-अनजाने न्यायपालिका के अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण करती जान पड़ रही है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने जिस केशवानंद भारती मामले का जिक्र किया, वह फैसला 1973 में आया था। उसके बाद से न केवल विभिन्न अदालतों की सुनवाइयों के दौरान बल्कि तमाम सरकारों के निर्णयों में भी उस फैसले के शब्दों और भावनाओं का ख्याल रखा जाता रहा है। आधी सदी बाद अब उस फैसले के औचित्य पर सवाल खड़ा करना कितना तर्कपूर्ण माना जाएगा? इससे ऐसा संदेश निकल सकता है कि विधायिका अपने और न्यायपालिका के कार्यक्षेत्रों की नई सीमाएं खींचने की कोशिश कर रही है। दूसरी बात यह है कि चाहे संसदीय सर्वोच्चता का सिद्धांत हो या न्यायपालिका की स्वतंत्रता का, भारतीय शासन व्यवस्था के संदर्भ में, इन सबका मूल स्रोत देश का संविधान ही है। शासन के सभी महत्वपूर्ण अंग संविधान से ही शक्ति लेते हैं। इसलिए संविधान की सर्वोच्चता असंदिग्ध और निर्विवाद है। न्यायपालिका इसी संविधान की संरक्षक है। संविधान की व्याख्या करने की जिम्मेदारी उसी के कंधों पर डाली गई है। जाहिर है, सरकार के किसी फैसले या संसद द्वारा बनाए गए किसी कानून को संविधान की कसौटी पर कसना न्यायपालिका का अधिकार ही नहीं, उसकी जिम्मेदारी है।

जेंडर न्यूट्रल होती सेना

किरीट ए. चावड़ा

देश की सेना को जेंडर न्यूट्रल बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाने की तैयारी हो रही है। आर्मी ने कहा है कि वह जल्दी ही अपने आर्टिलरी रेजिमेंट में महिला ऑफिसरों को कमिशन करने जा रही है। यह न केवल सेना के अंदर बराबरी का व्यवहार पाने के लिए संघर्ष कर रही महिला ऑफिसरों के लिए बल्कि समाज में लैंगिक समानता सुनिश्चित करने की इच्छा रखने वाले तमाम लोगों के लिए अच्छी खबर है। ध्यान रहे, न सिर्फ अपने देश में बल्कि दुनिया भर में सेना को पारंपरिक तौर पर पुरुषों का क्षेत्र माना जाता रहा है। स्वाभाविक ही महिलाओं को इस क्षेत्र में प्रवेश पाने और आगे बढ़ने के लिए कदम-कदम पर बाधाओं का सामना करना पड़ा है। एक बड़ा अवरोध सेना के अंदर की पारंपरिक पुरुषवादी सोच भी रही है। इन तमाम दृश्य और अदृश्य रुकावटों का ही परिणाम कहेंगे कि 1990 की शुरुआत में ही 14 लाख की संख्या वाले सशस्त्र बलों में प्रवेश पा जाने के बावजूद अब तक महिला ऑफिसरों की संख्या 3,900 से कुछ ही ऊपर जा सकी है। इनमें से 1,710 महिला ऑफिसर सेना में, 1,650 वायु सेना में और 600 नौसेना में हैं। इनसे अलग 1,670 महिला डॉक्टर, 190 डेंटिस्ट और 4,750 नर्सें जरूर मिलिटरी मेडिकल स्ट्रीम में हैं। लेकिन खास बात यह है कि सेना के अंदर महिलाओं को कठिन मानी जाने वाली ड्यूटी पर भेजने से बचने की प्रवृत्ति है, जिसे महिलाएं अपनी तरफ से लगातार चुनौती देती रही हैं। आज भी महिला ऑफिसरों को इन्फैंट्री के कॉम्बैट आर्म्स, आर्मर्ड कोर (टैंक) और मेकेनाइज्ड इन्फैंट्री में या नौसेना की पनडुब्बियों में तैनाती नहीं मिल सकती। बहरहाल, अपने जज्बे और कोर्ट के सहयोग से महिलाओं ने न केवल परमानेंट कमिशन हासिल कर लिया बल्कि धीरे-धीरे कठिन मोर्चों पर भी खुद को साबित करते हुए आगे बढ़ रही हैं। सेना की ओर से घोषित ताजा कदम की अहमियत खास तौर पर दो वजहों से है। एक तो यह कि हालांकि आर्टिलरी को सेना का 'कॉम्बैट सपोर्ट आर्म' कहा जाता है, लेकिन यह चीन और पाकिस्तान के विवादित और संवेदनशील सीमा क्षेत्रों पर तैनात यूनिटों के साथ फ्रंटलाइन पर मौजूद रहती है। दूसरी बात यह कि सेना का यह फैसला उसकी अपनी पहल पर आया है। इससे पहले महिलाओं के लिए अहम भूमिका सुनिश्चित करने से जुड़े ज्यादातर बड़े फैसले कोर्ट के आदेश के दबाव में उठाए गए।

यह इस बात का संकेत है कि हमारे सशस्त्र बलों में ऊपरी स्तर पर महिलाओं को, उनमें निहित संभावनाओं को देखने का नजरिया बदल रहा है। इससे यह उम्मीद बंधती है कि सशस्त्र बलों के अंदर महिला ऑफिसर किसी भी अन्य ऑफिसर की तरह जैसे-जैसे खुद को साबित करेंगी, उनकी भूमिका अधिकाधिक प्रभावी होती जाएगी। अधिक न्यायपूर्ण और समतामूलक समाज बनने के लक्ष्य की ओर बढ़ते भारतीय समाज के लिए यह एक सुकून देने वाली बात है।

स्वामी विवेकानंद जी की राह पर भारत

गणेश पाण्डेय

स्वामी विवेकानंद ने अपने जीवनकाल में अपने देश भारत को जैसे देखना चाहा था, वैसा उस समय भले न देख पाए हों, लेकिन आज भारत शनैः शनैः उसी दिशा में अग्रसर होता दिखाई दे रहा है। बात चाहे आर्थिक प्रगति की हो, आध्यात्मिक विस्तार की हो, या फिर सामरिक शक्तियों की। विशेषकर 2014 के बाद से भारत की दशा-दिशा स्वामी विवेकानंद के सपनों के अनुकूल ही निर्धारित होती दिखाई दे रही है।

वर्ष 2014 का उल्लेख यहां विशेषतौर पर इसलिए करना पड़ रहा है, क्योंकि उसी वर्ष देश में नए प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने शपथ ली थी। उस समय उनपर अनेक लेख लिखे गए। उनसे संबंधित कई नई बातें सामने आईं। उन्हीं में एक बात यह भी सामने आई कि वे स्वामी विवेकानंद को अपना आदर्श मानते रहे हैं। यूं तो स्वामी विवेकानंद को आदर्श मानने वाले और भी बहुत से लोग होंगे। लेकिन उन आदर्शों पर चलते भी होंगे। लेकिन सभी को उनके आदर्शों पर चलकर भारत को उन्हीं के सपनों के अनुरूप ढालने और गढ़ने का अवसर नहीं मिल पाता होगा। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी को यह अवसर मिला और वे भारत को स्वामी विवेकानंद के सपनों के अनुरूप गढ़ने का भरपूर प्रयत्न कर रहे हैं।

बात 1896 की है। लंदन में वहां के एक अखबार 'संडे टाइम्स' से बात करते हुए स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि "समय आने पर इंग्लैंड भी विजित होगा। आज उसके हाथों में तलवार है। पर विचारों के संसार में वह व्यर्थ से भी गया बीता है। आप जानते हैं कि शापेनहॉवर ने भारतीय चिंतन के बारे में भविष्यवाणी की है कि जब ये विचार हमारे सुपरिचित हो जाएंगे, तो यूरोप पर उनका प्रभाव उतना गंभीर पड़ेगा, जितना कि अन्य युग के बाद यूनानी और लैटिन संस्कृति के पुनर्जीवन का पड़ा था"। स्वामी जी ने यह बात 1896 में लंदन में कही थी। फिर 14 नवंबर, 2015 को इंग्लैंड के ही प्रधानमंत्री डेविड कैमेरॉन ने लंदन के ही वेंबले स्टेडियम में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करते हुए कहा कि वह दिन दूर नहीं है, जब आप किसी भारत मूल के व्यक्ति को इंग्लैंड का प्रधानमंत्री बनते देख सकते हैं। डेविड कैमेरॉन जब ये शब्द कह रहे थे, उस समय लंदन के वेंबले स्टेडियम में 60,000 भारतवंशियों की तालियों की गड़गड़ाहट से आकाश गूंज रहा था। शायद उस समय मां सरस्वती डेविड कैमेरॉन की जिह्वा पर विराजमान थीं। क्योंकि वही लंदन ठीक सात साल बाद इंग्लैंड के प्रधानमंत्री के रूप में सनातनी ऋषि सुनक के शपथ ग्रहण का गवाह बन रहा था। निश्चित रूप से ऋषि सुनक इंग्लैंड के प्रधानमंत्री हैं, और उन्हें इंग्लैंड का ही हित देखना चाहिए। लेकिन इस बात से तो इंकार नहीं किया जा सकता कि वे सनातन संस्कृति के वाहक भी हैं। जिसके ब्रिटेन तक पहुंचने का स्वप्न कभी स्वामी विवेकानंद ने देखा था।

स्वामी विवेकानंद के इसी स्वप्न में भारत को विश्वगुरु बनाने का स्वप्न भी शामिल था। क्योंकि वह भारत सहित संपूर्ण विश्व को स्वस्थ देखना चाहते थे। उनके इसी स्वप्न को चरितार्थ करने के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 सितंबर, 2014 को संयुक्त राष्ट्रसभा को संबोधित करते हुए कहा कि, "योग भारत की प्राचीन परम्परा का एक अमूल्य उपहार है यह दिमाग और शरीर की एकता का प्रतीक है; मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य है; विचार, संयम और पूर्ति प्रदान करने वाला है तथा स्वास्थ्य और भलाई के लिए एक समग्र दृष्टिकोण को भी प्रदान करने वाला है। यह व्यायाम के बारे में नहीं है, लेकिन अपने भीतर एकता की भावना, दुनिया और प्रकृति की खोज के विषय में है। हमारी बदलती जीवन- शैली में यह चेतना बनकर, हमें जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद कर सकता है। तो आएं एक अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस को गोद लेने की दिशा में काम करते हैं।" प्रधानमंत्री का यह संकल्प 90 दिनों के अंदर पूरा हुआ, और दुनिया के 177 देशों ने 11 दिसंबर, 2014 को एक स्वर से '21 जून' को विश्व योग दिवस के रूप में मान्यता दे दी। अब भारत ही नहीं, पूरा विश्व भारत के इस प्राचीन ज्ञान को अपनाकर स्वस्थ जीवनशैली की ओर आगे बढ़ रहा है। और भारत के ही कई युवा दुनिया के अनेक देशों में जाकर वहां योगगुरु की भूमिका निभा रहे हैं। ये भारत का विश्वगुरु बनना नहीं, तो और क्या है?

संडे टाइम्स के इसी वार्तालाप में जब स्वामी जी से पूछा गया कि क्या आपकी शिक्षा एक तुलनात्मक धर्म प्रणाली है ? इसका उत्तर देते हुए स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि मैं रामकृष्ण परमहंस का शिष्य हूँ। वे एक पूर्ण संन्यासी थे। इस महान संन्यासी ने दूसरे धर्मों के प्रति कभी नकारात्मक भाव नहीं रखा। वरन उनके सकारात्मक पक्षों को ही प्रदर्शित किया कि कैसे जीवन में उनका पालन और अभ्यास किया जा सकता है। उनकी शिक्षा का विषय यह सत्य है कि संसार प्रेम से चलता है। इसी प्रकार हिंदू धर्म विधर्मियों को कभी कष्ट नहीं पहुंचाता। यह एक ऐसा देश है, जहां सभी धर्म शांति और सदभावना के साथ रह सकते हैं। क्या स्वामी विवेकानंद का यही संदेश वर्तमान प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए नारे - 'सबका साथ, सबका विकास' में दिखाई नहीं देता ? आज केंद्र और कई राज्य सरकारों की जनकल्याण के लिए बनी अनेक योजनाएं देश के सभी वर्गों तक बराबरी के साथ नहीं पहुंच रही हैं क्या ? पहुंच भी रही हैं, और उनका असर भी हो रहा है। यहां तक कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत भी यह आश्वस्ति प्रदान करते हैं कि भारत में मुसलमानों को डरने की जरूरत नहीं है। लेकिन वह साफ-साफ यह भी कहते हैं कि उन्हें श्रेष्ठता की मानसिकता छोड़नी होगी। एक बार हमने शासन किया, फिर से शासन करेंगे। इस भावना से उन्हें बाहर आना होगा।

तमिलनाडु के गवर्नर क्यों फंसे विवाद में

भूपेन्द्र पटेल

देश में राज्यपालों की भूमिका पर विवाद नए नहीं हैं, लेकिन तमिलनाडु में जो कुछ हो रहा है, वह अवांछित है। बिहार के मूल निवासी और केरल काडर के आईपीएस अधिकारी रहे रवींद्र नारायण रवि तमिलनाडु के राज्यपाल के रूप में जिन विवादों का कारण बन रहे हैं, उनसे किसी सकारात्मक परिणाम की उम्मीद नहीं। लंबे समय तक हमने पश्चिम बंगाल में राज्यपाल और निर्वाचित सरकार के बीच टकराव देखा तो केरल भी बीच-बीच में इसी वजह से सुर्खियों में रहा। केंद्रशासित क्षेत्र दिल्ली में तो सरकार और उप-राज्यपाल के बीच टकराव स्थायी भाव बन चुका है। यह समझना मुश्किल नहीं होना चाहिए कि इसके मूल में राजनीति ही है। केंद्र और राज्यों में सत्तारूढ़ दलों के राजनीतिक हित न सिर्फ अलग-अलग, बल्कि अक्सर परस्पर विरोधी भी होते हैं। फिर भी तमिलनाडु का मामला ज्यादा गंभीर है।

विवाद टल सकता था

केंद्र से अलग दल की राज्य सरकारों को राज्यपाल पहले भी असहज करते रहे हैं। राज्य सरकारों ने भी प्रत्युत्तर में मर्यादा की लक्ष्मण रेखा पार करने में संकोच नहीं किया, लेकिन तमिलनाडु में जो कुछ हो रहा है, उससे बचा जा सकता था। रवि पुलिस से सेवानिवृत्ति के बाद भी कुछ कार्य-दायित्वों में खरे उतरे हैं, लेकिन तमिलनाडु के राज्यपाल के रूप में वह जो कर रहे हैं, वह अवांछित लगता है। प्रक्रिया और परंपरा के मुताबिक राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत अभिभाषण के कुछ अंशों को न पढ़ने वाला तमिलनाडु का पहला राज्यपाल बन जाने से उनकी या पद की गरिमा बढ़ी तो नहीं।

उन अंशों में शायद ऐसा आपत्तिजनक भी कुछ नहीं था। राज्य सरकार की मानें तो धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय और महिला सशक्तीकरण की चर्चा ही थी।

अगर तमिल संस्कृति और परंपरा का गुणगान था तो उस पर भी आपत्ति क्यों होनी चाहिए? तमिलनाडु भारत का हिस्सा है और उसकी संस्कृति-परंपरा देश के लिए भी गौरव का विषय होनी चाहिए।

राज्यपाल द्वारा पूरा अभिभाषण न पढ़े जाने पर मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने विधानसभा में प्रस्ताव रखा कि मूल भाषण को ही रेकॉर्ड में दर्ज किया जाना चाहिए।

आश्चर्य नहीं कि वह प्रस्ताव स्वीकृत भी हो गया। उसके विरोध में सदन का बहिष्कार कर राज्यपाल ने आखिर क्या संदेश दिया!

ध्यान रखना जरूरी है कि तमिलनाडु के मतदाताओं ने जनादेश दे कर डीएमके को सत्ता सौंपी है। राज्यपाल वहां राष्ट्रपति के प्रतिनिधि और संविधान के संरक्षक हैं। अगर दोनों संविधान के दायरे में अपनी भूमिकाओं का निर्वाह करें तो किसी टकराव की गुंजाइश ही नहीं।

आमंत्रण की भाषा रवि की कथनी-करनी से उठा दूसरा विवाद तो और भी अवांछित है। पोंगल के अवसर पर राजभवन में आयोजित कार्यक्रम के लिए भेजे निमंत्रणपत्र पर उनके लिए तमिलनाडु के राज्यपाल के बजाय तमिझगा आलुनार (तमिझगम के राज्यपाल) शब्द का उपयोग किया गया। साथ ही प्रतीक चिह्न भी बदल दिया गया। स्वाभाविक ही इस पर राज्य में तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। सत्तारूढ़ डीएमके ही नहीं, विपक्षी एआईएडीएमके तक ने इस पर विरोध जताया है। इस पर राज्यपाल रवि ने तो अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, पर आश्चर्यजनक रूप से तमिलनाडु बीजेपी की ओर से सफाई आई कि निमंत्रणपत्र की भाषा का फैसला राज्यपाल नहीं करते, न ही उन्हें प्रकाशन से पूर्व उसका प्रूफ दिखाया जाता है। इसका क्या अर्थ निकलता है? आलोचकों का मानना है कि यह सब अनायास नहीं, बल्कि सुनियोजित है और इसका सीधा संबंध राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और बीजेपी की विचारधारा से है। ऐसा मानने की वजह भी है। राज्यपाल रवि ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों से राजभवन में हुई मुलाकात के कार्यक्रम में दो तमिल शब्दों की व्याख्या करते हुए उनसे अपनी असहमति जताई थी। नए विवाद को उनकी उस व्याख्या से जोड़ा जा रहा है।

इनमें पहला शब्द था तमिलनाडु। रवि के मुताबिक नाडु का अर्थ राष्ट्र या देश होता है। इसलिए उसके बजाय तमिझगम सही शब्द है, जिसका अर्थ है- तमिल लोगों का निवास। हालांकि कुछ लोग रवि की व्याख्या से सहमत नहीं हैं। उनका तर्क है कि नाडु का अर्थ धरती होता है, न कि देश। इसलिए तमिलनाडु शब्द के उपयोग में कुछ भी गलत नहीं है। रवि की दूसरी टिप्पणी राज्य सरकार द्वारा केंद्र सरकार के लिए उपयोग किए जाने वाले शब्द ओंद्रियम को लेकर थी। उनका मानना है कि सामाजिक ढांचे में निचले स्तर के लिए उपयोग किया जाने वाला यह शब्द केंद्र सरकार को कमतर दिखाने या उसके प्रति अनादर दर्शाने वाला है। शब्दों की व्याख्या भाषाविज्ञानियों का काम है। पता नहीं राज्यपाल को यह काम अपने हाथ में लेना क्यों जरूरी लगा। टकराव के नए-नए बिंदु खोज कर प्रदेश-देश का भला नहीं किया जा सकता। फिर राज्य के तमिलनाडु नामकरण के लिए तो लंबे संघर्ष का इतिहास है। जब देश आजाद हुआ, तब तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और केरल, मद्रास राज्य का अंग थे। राज्य पुनर्गठन प्रक्रिया के बीच तमिलनाडु नामकरण की मांग ने जोर पकड़ा।

लंबे संघर्ष के बाद 18 जुलाई, 1967 को इसका मार्ग प्रशस्त हुआ, जब सी एन अन्नादुरई राज्य के मुख्यमंत्री थे। उस दिन नामकरण का वह विधेयक विधानसभा में सर्वसम्मति से पास हुआ था। विधानसभा में इस प्रस्ताव का कांग्रेस ने भी समर्थन किया, जिसने सत्ता में रहते हुए 1961 में मद्रास विधानसभा में इसका विरोध किया था। लेकिन औपचारिक रूप से नामकरण का सपना तब साकार हुआ, जब नवंबर, 1968 में संसद के दोनों सदनों में इस आशय का संविधान संशोधन सर्वसम्मति से पारित होने के बाद 14 जनवरी, 1969 को अन्नादुरई ने इसकी घोषणा की। अब 18 जुलाई को तमिलनाडु दिवस मनाने की डीएमके सरकार घोषणा उसकी क्षेत्रीय भावनात्मक मुद्दों की राजनीति के अनुरूप ही है। दक्षिण भारतीय राज्यों, खासकर तमिलनाडु में क्षेत्रीय अस्मिता की राजनीति नई नहीं है। जब हम यह जानते हैं तो हमें उसमें उलझने के बजाय संभलकर ही चलना चाहिए।

फायर ब्रिगेड में 910 पदों पर जवानों की होगी भर्ती

मुंबई । फायर ब्रिगेड विभाग में पिछले कुछ सालों से रुकी हुई मुंबई फायर फोर्स की भर्ती प्रक्रिया आखिरकार आज से शुरू होगी। यह भर्ती फायर फाइटर के करीब 910 पदों पर की जा रही है। मनपा प्रशासन भर्ती प्रक्रिया शुरू करने में सात साल लगा दिए। शुक्रवार को दहिसर के भावदेवी मैदान में सुबह छह बजे से सीधी सेवा (वॉक इन सेलेक्शन) पद्धति से की जाएगी यह भर्ती प्रक्रिया चार फरवरी तक चलेगी. भावदेवी मैदान में दमकल जवानो की भर्ती प्रक्रिया को पूरा करने के लिए दमकल की ओर से तैयारी पूरी कर ली गई है. भर्ती प्रक्रिया की निगरानी के लिए भावदेवी मैदान में कुल 165 सीसीटीवी लगाए गए हैं।इसके अलावा भर्ती प्रक्रिया पर पल पल की नजर रखने के लिए 9 कैमरे से वीडियोग्राफी भी की जाएगी। वीडियो ग्राफ़ी पर नजर रखने के लिए एक कंट्रोल रूम भी तैयार किया गया है।इस भर्ती में उम्मीदवारों को दौड़ना, ऊंचे स्थानों से कूदना, कंधों पर मानव आकृति के साथ दिए गए मार्ग पर दौड़ना, चढ़ना एंव उतरना जैसे फील्ड टेस्ट से गुजरना होगा। उम्मीदवारों के दस्तावेजों का सत्यापन भी किया जाएगा। चयनित अभ्यर्थियों की चिकित्सा जांच के बाद उन्हें छह महीने तक फायरमैन का प्रशिक्षण दिया जाएगा और फिर उन्हें सेवा में शामिल किया जाएगा।इस बार 120 अंकों का फील्ड टेस्ट और 80 अंकों का सर्टिफिकेट टेस्ट होगा।

मुंबईकरों के लिए वरदान साबित होगी मेट्रो-7, मेट्रो 2-ए

19 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे लोकार्पण

मुंबई। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे (Eknath Shinde) ने विश्वास प्रकट किया कि मेट्रो-7 (Metro-7) और मेट्रो 2-ए (Metro 2-A) की सेवा मुंबईकरों के लिए वरदान साबित होगी। आगामी 19 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मेट्रो 7 (फेज-2) और लाइन 2ए (फेज-2) का उद्घाटन करेंगे। इसी सिलसिले में गुरुवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अंधेरी इलाके के गुंदवली स्टेशन का दौरा किया और उद्घाटन समारोह की तैयारियों का जायजा लिया। इस मौके पर मुंबई शहर के जिला पालक मंत्री दीपक केसरकर, एमएमआरडीए कमिश्नर एसवीआर श्रीनिवास,

मुंबई पुलिस आयुक्त विवेक फणसळकर आदि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि मेट्रो रूट 7 और मेट्रो रूट 2-ए का 35 किलोमीटर का हिस्सा पूरा हो चुका है। इनमें से 33 स्टेशनों को लोगों की सेवा में खोला जाएगा। इस चरण में अंधेरी, दहिसर, वर्सोवा क्षेत्र के लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी। मेट्रो 7 (फेज-2) और लाइन 2ए (फेज-2) का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 19 जनवरी को करेंगे। मेट्रो का भूमिपूजन भी प्रधानमंत्री ने किया था। यह एक बड़ा संयोग है। मेट्रो शुरु होने से लाखों लोगों को राहत मिलेगी और आम लोगों का सफर आसान होगा। मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि यह मेट्रो लाखों मुंबईकरों के लिए वरदान साबित होगी। हमने मुंबई में कई गतिविधियां शुरू की हैं। हमने इन रुकी हुई परियोजनाओं में तेजी लाई है।इनमें से कुछ परियोजनाएं जैसे कंक्रीट की सड़कें, एसटीपी संयंत्र, स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे, सौंदर्यीकरण आदि का उद्घाटन पीएम मोदी करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मुंबई के नागरिकों के लिए एक बड़ी गिफ्ट होगी।

मेट्रो-7 और मेट्रो-2 ए की विशेषता

मुंबई मेट्रो कॉरिडोर में कुल 337.1 किमी की लंबाई का निर्माण कार्य प्रस्तावित है। एक बार इन सभी मेट्रो लाइनों के पूरा हो जाने के बाद मेट्रो की क्षमता मुंबई लोकल ट्रेनों की दैनिक क्षमता से 1.3 गुना होगी।

विशाखापत्तम में वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव

विशाखापत्तनम । आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में कुछ अज्ञात लोगों ने रेलवे यार्ड में खड़ी नयी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के एक डिब्बे पर पथराव किया, जिससे उसकी खिड़की का शीशा टूट गया। ट्रेन सिकंदराबाद और विशाखापत्तनम के बीच चलाई जाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इसे 15 जनवरी को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाई जानी है। आरपीएफ की प्रारंभिक जांच से पता चला है कि कंचारपालेम में कोच परिसर के पास खेल रहे कुछ बच्चों ने बुधवार रात कथित तौर पर शरारत में ट्रेन के एक डिब्बे पर पथराव किया, जिससे उसकी खिड़की का शीशा टूट गया।

500 करोड़ की धोखाधड़ी में बिल्डर गिरफ्तार

नई दिल्ली । मुंबई की एक रियल एस्टेट कंपनी के प्रवर्तक को 500 करोड़ रुपए से अधिक की कथित धोखाधड़ी से जुड़े एक मामले में धनशोधन-रोधी कानून के तहत गिरफ्तार किया गया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। ईडी ने कहा कि करण ग्रुप बिल्डर्स एंड डेवलपर्स के प्रवर्तक महेश भूपत कुमार ओझा को 10 जनवरी को जेल से हिरासत में लिया गया था, जहां उन्हें बेंगलुरु पुलिस द्वारा पहली बार गिरफ्तार किए जाने के बाद से रखा गया था। ओझा और अन्य के खिलाफ धनशोधन का मामला एक निवेशक की शिकायत पर कर्नाटक पुलिस द्वारा दायर कई प्राथमिकियों पर आधारित है।

भोपाल गैस त्रासदी मामले में फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली । भोपाल गैस त्रासदी के पीड़ितों के लिए 7400 करोड़ रुपए अतिरिक्त मांग की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। केंद्र सरकार की ओर से अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी, यूनियन कार्बाइड की ओर से वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे तथा पीड़ितों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता करुणा नंदी और संजय पारीख को सुनने के बाद पांच सदस्यीय बेंच ने क्यूरेटिव याचिका पर सुनवाई पूरी की। जस्टिस संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय बेंच ने अटॉर्नी जनरल से कई सवाल पूछे। बेंच ने पूछा कि हादसे के 30 साल बाद इस तरह की याचिका का क्या औचित्य है। अदालत ने स्पष्ट किया कि क्यूरेटिव याचिका के तहत अदालत के हाथ बंधे हुए हैं।

महाराष्ट्र में उठी समान नागरिक कानून बनाने की मांग

बीजेपी विधायक अतुल भातखलकर ने उठाई आवाज

मुंबईः महाराष्ट्र में भी यूनिफ़ॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) यानी समान नागरिक कानून बनाने की मांग उठ रही है। बीजेपी के विधायक अतुल भातखलकर ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर यूसीसी के लिए एक समिति का गठन करने की मांग की है। हालांकि इस संबंध में सरकार की ओर से कोई जवाब नहीं आया है। पिछले साल नवंबर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक साक्षात्कार में कहा था कि बीजेपी समान नागरिक संहिता को बहस और चर्चा के बाद लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। उनका कहना था कि एक धर्मनिरपेक्ष देश में कोई कानून धर्म के आधार पर नहीं होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा था कि बीजेपी को छोड़कर अन्य कोई पार्टी इसके पक्ष में नहीं है। इस पर देश में चर्चा होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा पिछले दो लोकसभा चुनाव के साथ ही हाल ही में हुए गुजरात विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने समान नागरिक संहिता को चुनाव प्रचार का हिस्सा बनाया था। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड और गुजरात में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के लिए समितियां गठित करने के उन राज्यों की सरकारों के फैसलों को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर विचार करने से हाल ही में मना कर दिया था। अदालत ने साफ कहा कि राज्यों द्वारा ऐसी समितियों के गठन को संविधान के दायरे से बाहर जाकर चुनौती नहीं दी जा सकती।

सीएम करेंगे सकारात्मक विचार

कांदिवली के विधायक भातखलकर ने कहा कि गुजरात चुनाव में बीजेपी ने समान नागरिक संहिता पर अध्ययन के लिए समिति बनाने की घोषणा की थी। महाराष्ट्र सरकार को भी ऐसी ही एक समिति के गठन पर विचार करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने भी माना है कि समान नागरिक कानून बनाने का अधिकार राज्यों को है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन तलाक कानून को रद्द कर मुस्लिम समाज की महिलाओं को सही अर्थों में न्याय दिया है। राज्य में समान नागरिक कानून बनने पर पुरुषों और महिलाओं के बीच समानता होगी। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री उनकी मांग पर सकारात्मक विचार करेंगे।

मालाड 100 साल पुरानी बिल्डिंग को मनपा ने किया जमीदोस्त

मालाडः मालाड एसवी रोड पर स्थित 100 साल पुरानी जर्जर बिल्डिंग लंबे समय के बाद मुंबई महानगरपालिका के पी नार्थ वार्ड (P North Ward) ने जमीदोस्त किया है। इस इमारत के ढाए जाने से एस व्ही रोड की सड़क के चौड़ा करने में आसानी होगी और ट्रैफिक की समस्या से छुटकारा मिलेगा।

बता दे कि 100 साल पुरानी यह ईमारत मालाड के एसवी रोड के बीच में बनी हुई थी। बिल्डिंग को मनपा ने 2012 में जर्जर घोषित किया था । उसके बाद इमारत को तोड़ने की नोटिस दी गई थी। बिल्डिंग की कारण एसवी रोड पर लोगों को भारी ट्रैफिक का सामना करना पड़ता था। मनपा की ओर से जर्जर हुई इस इमारत को तोड़ने के लिए लम्बे समय से लड़ाई लड़ी जा रही थी । मामला कोर्ट में होने के कारण इमारत को तोड़ने में बड़ी परेशानी खड़ी हो रही थी। जबकि इमारत जर्जर होने के बावजूद रह रहे 31 परिवार घर खाली करने को तैयार नही थे। कोर्ट से स्टे हटने के बाद मनपा पी नार्थ वार्ड द्वारा गुरुवार को तोड़क कार्रवाई की गई।मनपा ने इस बिल्डिंग को तोड़ने का फैसला किया और बुलडोजर की मदद से घ्वस्त कर दिया गया।बिल्डिंग के मलवे को देर शाम तक हटाने का काम किया जा रहा था।मनपा सहायक आयुक्त किरण दिघावकर ने बताया कि इमारत को हटने से अब एसवी रोड पर ट्रैफिक की समस्या कम होगी।सड़क को जल्द चौड़ा किए जाने की उन्होंने जानकारी दी।जर्जर ईमारत को तोड़ने के लिए मनपा को 25 पुलिस और 17 मनपा कर्मचारियों अधिकारियों का उपयोग करना पड़ा। किरण दिघवकर ने बताया यह बिल्डिंग अंग्रेज़ो के ज़माने में 1923 में जुगल किशोर नाम से इस बिल्डिंग का निर्माण हुआ था। यह बिल्डिंग 100 साल पुरानी है, जो पूरी तरह से जर्जर हो गई थी, इस मे कुल 31 रहिवासी रहते थे। बिल्डिंग तोड़ने के लिए 50 मजदूर, 17 मनपा अधिकारी 2 फोकलाइन एक जीसीबी 10 डंपर और 25 पुलिस वाले लगे है। 24 घंटे में बिल्डिंग को तोड़ कर मलबा भी हटाने का काम हो जाएगा।। इमारत में रहने वाले लोगो को घर देने की जिम्मेदारी जमीन मालिक की होगी।जमीन मालिक सड़क को चौड़ा करने में मनपा की ओर से लैंड इकविजेशन में पैसा मिलेगा अथवा टिडीआर मिलेगा जमीन मालिक उसमे लोगो को घर अथवा पैसा देगा।

संजय राउत ने पीएम मोदी के मुंबई दौरे पर निशाना साधा

राउत ने कहा कि पीएम मोदी का दौरा कुछ दिनों बाद भी हो सकता है

मुंबईः देश के प्रधानमंत्री (P M Modi) आगामी 19 जनवरी को मुंबई महानगरपालिका सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और अन्य विकास कामों के उद्घाटन के लिए मुंबई आ रहे हैं। अब इस बात को लेकर मुंबई समेत महाराष्ट्र (Maharashtra) का सियासी पारा गर्म हो चुका है। सियासी दलों द्वारा अब इस काम का श्रेय लेने की होड़ लगती हुई नजर आ रही है। इन्हीं सबके बीच युवासेना नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री आदित्य ठाकरे ने बीएमसी कमिश्नर को एक खत भी लिखा है। जिसमें उन्होंने मुंबई में हो रहे विकास कामों के संदर्भ में कई सवाल पूछे हैं। संजय राउत ने महाराष्ट्र में निवेश के मुद्दे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुंबई दौरे पर टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार राज्य में निवेश लाने के प्रति जरा भी चिंतित नहीं है। संजय राउत (Sanjay Raut) ने कहा कि देश के अलग-अलग राज्यों के मुख्यमंत्री अपने राज्य में निवेश लाने के लिए दावोस जा रहे

हैं। दरअसल, महाराष्ट्र सरकार द्वारा दावोस दौरे की समय सीमा को कम किए जाने की खबर है। जिस पर राउत ने सरकार पर निशाना साधा है। संजय राउत ने कहा कि प्रधानमंत्री मुंबई आ रहे हैं। यह अच्छी बात है उनका स्वागत होना चाहिए। हालांकि, इससे ज्यादा जरूरी महाराष्ट्र में निवेश लाया जाना है। प्रधानमंत्री के मुंबई आने की वजह से दावोस दौरे को छोटा किया जा रहा है। अच्छा होता कि प्रधानमंत्री खुद कहते कि इन विकास कामों का उद्घाटन अगली तारीख को किया जाएगा। लेकिन दावोस दौरे में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। राउत ने कहा कि पीएम के मुंबई दौरे को आगे बढ़ाया जा सकता है लेकिन दावोस के कार्यक्रम को आगे पीछे नहीं किया जा सकता है। राउत ने सीधा आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मुंबई आना सिर्फ और सिर्फ मुंबई महानगरपालिका चुनाव के मद्देनजर है। संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र बीजेपी का पहला मकसद राजनीति है। राज्य में निवेश लाना उनके लिए प्राथमिकता नहीं है। प्रधानमंत्री तो हमारे अपने हैं, मुंबई आते-जाते रहेंगे। लेकिन अगर एक बार निवेश हाथ से निकल गया तो वह वापस आने वाला नहीं है।

दूसरी बार पीएम महाराष्ट्र में क्यों आ रहे हैं संजय राउत से जब यह सवाल पूछा गया कि प्रधानमंत्री तकरीबन एक महीने में दूसरी बार महाराष्ट्र में आ रहे हैं। आखिर इसकी क्या वजह है? जिस पर राउत ने कहा कि यह पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित है। मुंबई महानगर पालिका के चुनाव आने वाले दिनों में होने हैं। जिसके मद्देनजर बीजेपी द्वारा यह दिखाने की कोशिश है कि यह जो कुछ भी किया गया है। वह सब हमने ही किया है लेकिन यह जनता है जो सब जानती है।पीएम का दौरा किसलिए? आगामी 19 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुंबई महानगरपालिका के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट समेत अन्य विकास कार्यों का उद्घाटन के लिए मायानगरी में आ रहे हैं। इस दौरे के दौरान वह मेट्रो 2 ए और मेट्रो 7 का भी उद्घाटन करेंगे। मेट्रो के पहले चरण का उद्घाटन पिछले साल किया गया है। अब दूसरे चरण का भी काम पूरा हो चुका है।

नवी मुंबई से मुंबई... 20 मिनट में होगा 2 घंटे का सफर, महाराष्ट्र में आई सिंगापुर की तकनीक

मुंबईः मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने राज्य में पहली बार ओपन रोड टोलिंग सिस्टम शुरू करने का निर्णय लिया है। शिवडी-न्हावासेवा ट्रांस हार्बर लिंक प्रॉजेक्ट (एमटीएचएल) पर इस तकनीक से टोल वसूला जाएगा। इस तकनीक के तहत टोल नाकों पर डंडे नहीं होंगे। वाहन बिना रोके तेज सफर से समुद्र पर बने 22 किमी लंबे ब्रिज को पार कर सकेंगे। इस तकनीक के तहत एमटीएचएल पर प्रवेश करते ही वाहनों पर लगे फास्टैग स्टिक से टोल की रकम कट जाएगी। सिंगापुर में किया जाता है इस तकनीक का इस्तेमाल। वहीं बगैर फास्टैग स्टिक वाले वाहनों से भी बिना रोके टोल वसूली की तकनीक विकसित की जा रही है। एमएमआरडीए कमिश्नर एस.वी.आर श्रीनिवास के अनुसार, बगैर फास्टैग वाले वाहनों से टोल वसूली के लिए ट्रांसपोर्ट विभाग के साथ मिलकर तकनीक विकसित की जा रही है। तकनीक के तहत

एमटीएचएल पर प्रवेश करने वाले वाहनों की नंबर प्लेट पढ़ने वाले उपकरण वहां लगाए जाएंगे। वाहन के नंबर के आधार पर ऑनलाइन टोल के पैसे वसूले जाएंगे। क्यों पड़ी जरूरत मुंबई से नवी मुंबई का सफर केवल 20 मिनट में पूरा करने के लिए एमटीएचएल का निर्माण किया जा रहा है। इस ब्रिज से रोजाना हजारों की संख्या में वाहनों के गुजरने की उम्मीद है। ऐसे में अगर टोल नाकों पर वाहनों की लंबी कतारें लगीं तो वाहनों का 20 मिनट में सफर पूरा करना संभव नहीं होगा। इसलिए अपने दावे को पूरा करने के लिए एमएमआरडीए ने ओपन रोड टोलिंग सिस्टम लगाने का फैसला लिया है। मौजूदा समय में मुंबई से नवी मुंबई का सफर तय करने में करीब 2 घंटे का समय लगता है। 90 फीसदी हुआ काम एमएमआरडीए ने समुद्र पर ब्रिज तैयार करने का काम 90 प्रतिशत तक पूरा कर लिया है।

2023 के अंत तक ब्रिज को वाहनों की आवाजाही के लिए खोल दिया जाएगा। 22 किमी लंबे ब्रिज का 16.5 किमी हिस्सा पानी में होगा, जबकि 5.5 किमी हिस्सा जमीन पर होगा। ब्रिज को दोनों तरफ से जमीन से जोड़ने का काम पूरा हो चुका है। सीएम ने लिया जायजा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुधवार को जारी एमटीएचएल के निर्माण कार्य का जायजा लिया। एमटीएचएल के पैकेज-2 पर बुधवार को सबसे लंबा स्टील डेक रखा गया। यह डेक 180 मीटर लंबा और 2300 मैट्रिक टन वजनी था। मुख्यमंत्री के अनुसार, ओपन रोड टोलिंग सिस्टम का इस्तेमाल सिंगापुर में किया जा रहा है। इस तकनीक का इस्तेमाल भारत में आरंभ करने का प्रयास किया जा रहा है। इससे वाहन चालकों की समय की बचत होगी।

देश में वेस्ट वॉटर ट्रीटमेंट का उल्टा असर:घरों में एंटीबायोटिक पानी पहुंच रहा, इससे शरीर पर दवाएं कम असरदार हुईं

रंजनबेन मसोया

भारत, चीन में कई सोर्स से आने वाले पानी के ट्रीटमेंट प्लांट एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (AMR) पैदा करने का बड़ा ठिकाना बन रहे हैं। ये खुलासा 'दि लैंसेट प्लानेट्री' की रिपोर्ट से हुआ है। स्टडी में चीन और भारत में वेस्टवॉटर और ट्रीटमेंट प्लांट्स से पानी के नमूने लिए गए।

जांच में कई जगहों के पानी में एंटीबायोटिक की मौजूदगी अधिकतम सीमा से ज्यादा मिली। चीन में AMR का सबसे ज्यादा जोखिम नल के पानी में पाया गया। इसमें सिप्रोफ्लोएक्सिन की मात्रा बेहद ज्यादा मिली। पोल्ट्री फार्म-दवा फैक्ट्रियों से बढ़ रहा वॉटर पॉल्यूशन भारत में शहरी इलाकों में नगर निकाय लोगों को नल से पानी की सप्लाई करती हैं। वहां ट्रीटमेंट प्लांट में पानी अस्पताल, पोल्ट्री फार्म, डेयरी और दवा फैक्ट्रियों जैसे स्रोतों से पहुंचता है। इस पानी में मौजूद एंटीबायोटिक अगर ट्रीटमेंट के बाद भी मौजूद रहा, तो सप्लाई होने वाले पानी में भी एंटीबायोटिक होगा। इसके इस्तेमाल से AMR का जोखिम बढ़ेगा। ट्रीटमेंट प्लांट की मौजूदा व्यवस्थाएं ऐसे तत्वों को हटाने में गैर असरदार हैं। एंटीमाइक्रोबियल जीवाणु या फंगी जैसे सूक्ष्मजीवों को खत्म करता है। उन्हें बढ़ने और बीमारी फैलाने से रोकता है। इसी से जुड़ी स्थिति है AMR, जिसमें बैक्टीरिया एंटीबायोटिक्स से लड़ने की क्षमता विकसित कर लेते हैं। इसके चलते दवाएं बेअसर हो जाती हैं।

एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस खतरनाक, यह मेडिकल वेस्ट फेंकने से बढ़ रहा पेयजल सुरक्षा के पूर्व राष्ट्रीय नोडल अधिकारी सुधींद्र मोहन शर्मा ने भास्कर से बातचीत में बताया कि देश के जल स्रोतों में AMR तेजी से बढ़ रहा है। ये स्थिति चिंताजनक है। इसके बढ़ने की वजह पोल्ट्री फार्म और डेयरी हैं। वहां जीवों को संक्रमण से बचाने के लिए बड़े पैमानें पर एंटीबायोटिक का इस्तेमाल होता है। इसके इस्तेमाल के बाद मेडिकल वेस्ट का सही निस्तारण नहीं किया जाता है, जो उस क्षेत्र के अंडरग्राउंड पानी में मिलते रहते हैं। दूसरी वजह जागरुकता में कमी है। लोग बेकार या इलाज के बाद बची हुई दवाओं को यूं ही नालियां और सड़क किनारे फेंक देते हैं। इससे भी जल प्रदूषित होता है। यही जल अंडरग्राउंड वॉटर में मिलता है। इसी कारण जलाशयों, नदियों के पानी में AMR बढ़ा है। खतरा इसलिए है, क्योंकि हमारी 85% आबादी भू-जल इस्तेमाल करती है। चौंकाने वाली बात यह है कि कोरोना मरीजों के इलाज में दवाएं असरदार नहीं पाई गईं, क्योंकि मरीजों में एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस था। उपाय: हॉटस्पॉट पहचानें, गाइडलाइन के साथ जागरूकता बढ़े जिन इलाकों में आर्सेनिक और फ्लोराइड जैसे खतरनाक तत्व मिले हैं, वहां सरकार ने बड़े पैमाने पर अभियान चलाया है। फिर भी तेजी से एंटीबायोटिक से प्रदूषित हो रहे पानी की तरफ ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसके लिए जरूरी है कि जिला स्तर पर इस तरह की लैब बनाएं, जो AMR की जांच करें। इसके साथ ही तमाम संस्थानों डेयरी, पोल्ट्री फार्म के साथ आम नागरिकों के लिए मेडिकल वेस्ट निस्तारण की गाइडलाइन जारी की जाए। लोग मेडिकल वेस्ट नालियों में न फेंकें, इसकी निगरानी की जाए। मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब आदि राज्यों के डेयरी बहुल इलाकों में एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस के हॉटस्पॉट पहचाने जाएं। एक और खास बात ये है कि घरों में इस्तेमाल होने वाले आरओ सिस्टम भी AMR को रोक नहीं सकते।

8 घंटे बैठे रहने से याददाश्त कमजोर होती है:3 घंटे खड़े रहें, इससे लंबा जीवन जीने में मदद मिलती है

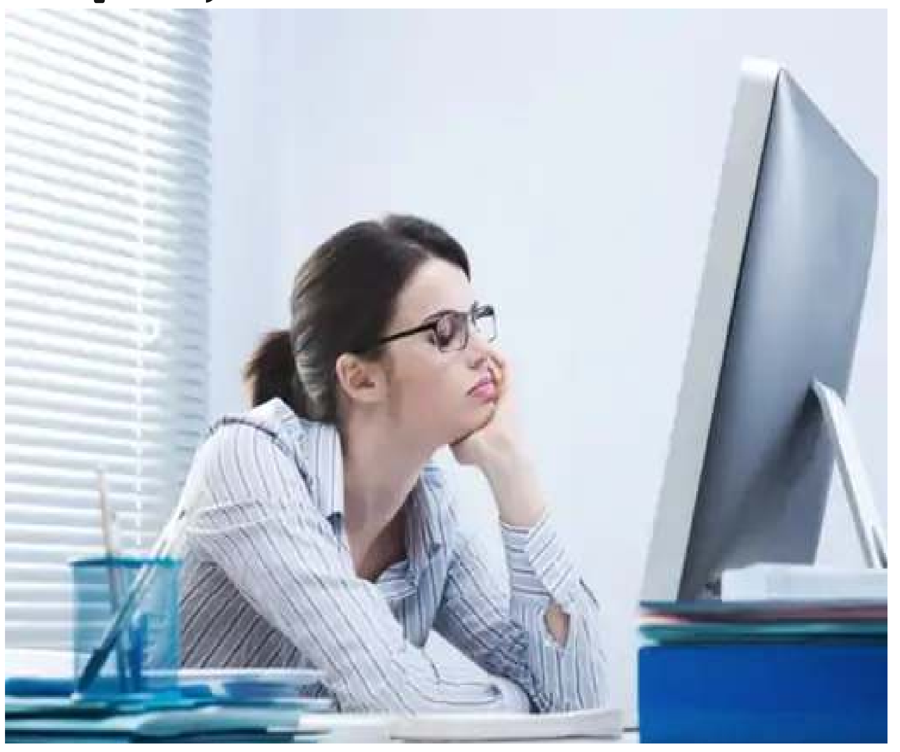

चार्ल्स पटेल

ऑफिस में लंबी सिटिंग इन दिनों आम बात हो गई है। चाहे दफ्तर हो या रिमोट वर्किंग, वयस्क काम के दौरान 8 घंटे तक गतिहीन होकर एक ही जगह बैठे-बैठे बिता रहे हैं। लंबे समय तक बैठे रहने का असर अब लोगों के दिमाग पर पड़ने लगा है। इससे याददाश्त कमजोर होती है, जिससे कई बार आप कई जरूरी बातें भूल जाते हैं। ऐसे लोगों को 3 घंटे खड़े रहना जरूरी हाल ही में हुए एक शोध में सामने आया कि ऐसे लोगों को दिन में करीब 3 घंटे तक खड़े रहना जरूरी है। इससे लंबा जीवन जीने में मदद मिलती है। शोध के अनुसार खड़े रहने से ब्लड में शुगर का स्तर कम होता है। दिल की बीमारी का जोखिम कम हो जाता है और उन लोगों की तुलना में कम तनाव और थकान होती है, जो 8 घंटे या उससे ज्यादा समय तक बैठे रहते हैं। न्यूयॉर्क के ग्लोबल वेलबीइंग लीड के माइलार्ड हॉवेल बताते हैं कि लगातार बैठे रहने से समय के साथ मानसिक स्वास्थ्य और याददाश्त पर नकारात्मक असर पड़ता है। खड़े होने से न्यूरल एजिंग के मुद्दों से लड़ने में मदद मिल सकती है, जैसे मेडियल टेम्पोरल लोब बिगड़ना, जो दिमाग का वह क्षेत्र है, जिसमें मेमोरी होती है।

बैठे रहने से पैरों में अपंगता तक आ सकती है

इसके अलावा लंबे समय तक बैठने से शरीर के सभी हिस्सों में रक्त का संचार प्रभावित होता है। मस्तिष्क में रक्त का संचार ठीक ढंग से न होने पर दिमाग की कोशिकाओं में ऑक्सीजन व पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। लेकिन लंबे समय तक एक जगह पर टिककर बैठे रहने से यह पूरी प्रक्रिया प्रभावित होती है। इसका असर हमारे पैरों पर भी पड़ता है। एक ही स्थिति में बैठे रहने से पैरों में अपंगता तक आ सकती है।

आधे घंटे में 2 मिनट उठकर टहलना बेहद जरूरी

दिमाग की सेहत बनाए रखने के लिए व्यक्ति को हर आधे घंटे में दो मिनट के लिए जरूर उठकर टहलना चाहिए। ऐसा करने से दिमाग में रक्त का संचार बढ़ जाता है। इससे ब्रेन व्यक्ति को चीजों की पहचान करने में मदद करता है।

सर्दियों में दूध में इन चीजों को मिलाकर करें सेवन, शरीर रहेगा गर्म और बीमारियां भी होंगी दूर

राज के.वेगड़

दूध को अध्ययनों में संपूर्ण आहार कहा गया है, इसके सेवन से प्रोटीन और कैल्शियम सहित शरीर के लिए आवश्यक ज्यादातर पोषक तत्वों की आसानी से प्राप्ति की जा सकती है। आहार विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों को दैनिक आहार में दूध को जरूर शामिल करना चाहिए, इससे शरीर को विशेष लाभ मिलता है। रात को सोने से पहले गर्म दूध पीने से अच्छी नींद आती है और इसमें मौजूद पोषक तत्व कई बीमारियों से बचाने में भी आपकी मदद कर सकते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सर्दियों के इस मौसम में कई प्रकार की मौसमी बीमारियों और ठंड के कारण होने वाले दुष्प्रभावों का खतरा होता है। ऐसे में दूध में कुछ औषधियों को मिलाकर इसका सेवन करना आपके लिए विशेष फायदेमंद हो सकता है। ये औषधियां न सिर्फ दूध की ताकत को कई गुना बढ़ा देती हैं साथ ही रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और शरीर को स्वस्थ रखने में भी इसके लाभ हो सकते हैं। इए जानते हैं कि दूध में किन चीजों को मिलाकर इसका सेवन करना विशेष फायदेमंद हो सकता है?

दूध सभी के लिए जरूरी

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों के लिए रोजाना आहार में दूध को शामिल करना जरूरी है। दूध विटामिन और खनिजों का उत्कृष्ट स्रोत है। इससे पोटैशियम, विटामिन-बी 12, कैल्शियम और विटामिन-डी प्राप्त किया जा सकता है, जिसकी हमारे शरीर को बहुत आवश्यकता होती है। दूध पीने से विटामिन ए, मैग्नीशियम, जिंक और थायमिन (बी1) भी प्राप्त होता है। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को ठीक रखते हुए बीमारियों के खतरे को कम करने में दूध के फायदे हैं।

आइए जानते हैं कि दूध में किन चीजों को मिलाकर सेवन करना फायदेमंद माना जाता है?

हल्दी दूध पीने के लाभ सर्दियों में

दूध में हल्दी मिलाकर इसका सेवन करना सेहत के लिए विशेष लाभकारी हो सकता है। हल्दी रोगाणुरोधी और एंटी-इंफ्लामेटरी गुणों के लिए जानी जाता है। सर्दियों में इसका सेवन करना प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने के साथ आपको गर्म और आरामदायक महसूस कराने में मददगार है। हल्दी दूध पीने से सर्दी-जुकाम जैसे ठंड के मौसम के कारण होने वाली समस्याओं का जोखिम भी कम होता है।

दूध में मिलाएं अदरक

दूध में हल्दी के साथ अदरक और काली मिर्च मिलाकर सेवन करना आपके लिए और भी लाभकारी माना जाता है। अदरक वाल दूध, मौसमी फ्लू के साथ ठंड के कारण होने वाले कफ जमाव को कम करने और शरीर को स्वस्थ रखने में सहायक है। अदरक मिलाने से शरीर में सूजन और कफ की समस्या को कम करने में लाभ मिल सकती है। खांसी में भी इससे आराम मिलता है।

दूध में मिलाएं सूखे मेवे

रात में सोने से पहले दूध में सूखे मेवे मिलाकर इसका सेवन करने से न सिर्फ शरीर की शक्ति बढ़ती है साथ ही अच्छी नींद के लिए भी इसे फायदेमंद पाया गया है। दूध के साथ सूखे मेवे ऊर्जा का सबसे अच्छा स्रोत हैं। खजूर, अखरोट, बादाम जैसे मेवे शरीर को अंदर से गर्म बनाए रखने के साथ पोषक तत्वों की भी पूर्ति करते हैं। मेवों के सेवन को हृदय रोगों में भी काफी लाभकारी पाया गया है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : आपके लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहेगा। माता-पिता के स्वास्थ्य से लेकर रिश्तों तक में सुधार देखने को मिलेगा। अविववाहित युवक-युवतियों के विवाह की बात बनने वाली है। अटके हुए कार्यो को पूरा करने के प्रयास सफल होंगे। आर्थिक रूप से इस सप्ताह मजबूती रहेगी। नए कार्य व्यवसाय भी प्रारंभ करने की योजना बनेगी।

वृषभ : सप्ताह भौतिक सुख-सुविधाएं प्रदान करने वाला रहेगा। अचानक धन का आगमन होगा। कोई फंसी हुई संपत्ति मिलने के योग बनेंगे। प्रेम संबंधों और दांपत्य सुख प्राप्त होगा। जिनके विवाह में बाधा आ रही थी वह दूर होने वाली है। संतान पक्ष के कार्य उत्तम तरीके से होंगे। किसी पुराने मित्र से भेंट होगी।

मिथुन : पारिवारिक और सामाजिक मेल मिलाप में सप्ताह बीतने वाला है। नया कार्य-व्यवसाय प्रारंभ करने की रूपरेखा बनेगी। साझेदारी में किए गए कार्यो से लाभ प्राप्त होगा। निवेश के लिए भी सप्ताह शुभ है। नौकरी में जिम्मेदारियों में बदलाव और स्थानांतरण हो सकता है। भौतिक सुख-सुविधाओं की प्राप्ति होगी। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा।

कर्क : इस सप्ताह युवाओं को अपने प्रेम में पारदर्शिता रखनी होगी। दांपत्य जीवन में भी भरोसा कायम रखना होगा। कारोबार की बात करें तो विस्तार के लिए दूसरों का सहयोग लेना पड़ेगा। आर्थिक मामलों में भरोसेमंद लोगों की सलाह जरूर लें। इस सप्ताह अपने स्वास्थ्य को लेकर सजग रहें।

सिंह : सप्ताह शुभ है। सारे कार्य व्यवस्थित तरीके से बन जाएंगे। नौकरीपेशा लोगों को यात्राएं करनी पड़ेंगी। नौकरी में बदलाव करना चाहते हैं तो कर सकते हैं। अपने स्वास्थ्य के लिए कुछ समय निकालना जरूरी रहेगा। आर्थिक मसलों पर सोच-समझकर आगे बढ़ें। करियर के प्रति चिंतित लोगों को कुछ रास्ता दिखाई देगा।

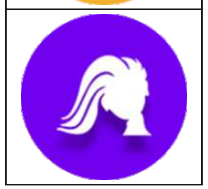

कन्या : इस राशि के विद्यार्थियों के लिए समय अधिक मेहनत का है। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की करने के कई अवसर मिलेंगे। उच्चाधिकारियों से प्रशंसा मिलेगी। व्यापारियों की आर्थिक स्थिति डगमगा सकती है। पारिवारिक जरूरतों पर खर्च होगा। परिवार में कोई मांगलिक प्रसंग आएगा। दांपत्य जीवन सुखद होगा।

तुला : सप्ताह भागदौड़ वाला रहेगा। निजी जीवन और अपने काम के बीच तालमेल बैठाने में परेशानी आ सकती है। दांपत्य जीवन में परेशानियां बढ़ सकती हैं। कार्यस्थल पर भी विवादित स्थिति बनेगी। कोई नया कार्य इस सप्ताह प्रारंभ करने से बचें। गुप्त शत्रु सक्रिय हो रहे हैं। सतर्क रहें। किसी को पैसा उधार देने से बचें।

वृश्चिक : सप्ताह का संकेत है किआपको व्यावसायिक और निजी जीवन में काफी संतुलन बनाकर चलना होगा। साझेदारी में चल रहे बिजनेस में विवाद हो सकता है। साझेदारों से अनबन से मुश्किल आ सकती है। कार्य में बदलाव की स्थिति बनती दिख रही है। नया काम प्रारंभ करने के लिए समय उत्तम है।

धनु : सप्ताह शुभ और शांतिपूर्ण रहने वाला है। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन में चल रहे विवाद का निपटारा होगा। इस सप्ताह आप दूसरों की मदद करने के लिएतत्पर रहेंगे। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। नए प्रेम संबंध प्राप्त हो सकते हैं। कार्य में तरक्की के लिए अब तक किए गए प्रयास सफल होंगे।

मकर : स्वास्थ्य के लिहाज से सप्ताह ठीक नहीं है। डाक्टरों के पास भागदौड़ रहेगी। आर्थिक स्थिति के लिए सप्ताह ठीक है। लंबे समय से जहां से पैसा आने की उम्मीद छोड़ चुके थे, वहां से आने वाला है। संपत्ति खरीदी-बिक्री के कार्य से लाभ होगा। दांपत्य जीवन में मधुरता आएगी। प्रेम संबंध प्रगाढ़ होगा। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है।

कुंभ : सप्ताह शुभ और उन्नतिदायक है। भूमि, भवन, संपत्ति खरीदने के योग बनेंगे। कारोबारियों को अपने बिजनेस के विस्तार करने का सुख मिलेगा। नौकरीपेशा लोगों को उन्नति मिलेगी। जीवनसाथी से चल रहा मनमुटाव दूर होगा। प्रेमी-प्रेमिका का संबंध विवाह की ओर अग्रसर होगा। स्वास्थ्य में सुधार आएगा।

मीन : सप्ताह उत्तम है। कार्यो, संबंधों और आर्थिक दृष्टि से लाभ होने वाला है। परिवार में माता-पिता, भाई-बहन, संतान, जीवनसाथी के साथ संबंध सुधरेंगे। संपत्ति खरीदने के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। नौकरीपेशा लोगों की उन्नति होगी। स्थानांतरण भी हो सकता है। कारोबारियों के लिए आगे बढ़ने का समय है।

चुटकुले

सोनू: तुझे सबसे ज्यादा इज्जत कौन देता है?
सोनू: वह कैसे?
मोनू: जब भी खोलता हूं तो 2-3 कपड़े आकर कदमों में गिर जाते हैं

पिंटू: मुझे अपनी गर्लफ्रेंड को कोई गिफ्ट देना है, क्या दूं?
पप्पू: ऐसा कर गोल्ड रिंग दे दे।
पिंटू: कोई बड़ी चीज बता...
पप्पू: तो फिर गोल्ड रिंग जाने दें,

मोटू- घबराता हुआ पुलिस स्टेशन गया मैं गिरफ्तार होने जा रहा हूं
पतलू-क्यों भाई तुमने क्या किया ?
मोटू- मैंने अपनी बीवी के सर पे जोर से डंडा मार दिया था
पतलू- तो वो मर गयी क्या बेचारी
मोटू-नहीं बच गयी और अब वो मुझे नहीं छोड़ेगी।

रमेश (सुरेश से): अरे सुरेश,
सुना है सरकार ने गुटखा के दाम बढ़ा दिए हैं,
अब क्या करोगे तुम?
सुरेश: करना क्या है,
आधा घंटा और देर से थूकेंगे अब।

पत्नी - शादी से पहले तो तुम कहते थे कि शादी के बाद मैं तुम्हें ढेर सारा प्यार करूंगा...
अब क्या हुआ?
पति - सच बताऊं जानू?
पत्नी (खुश होते हुए) - हां बताओ.
पति - मुझे नहीं लगता था कि हमारी शादी हो ही जाएगी.

सिंगर आशिका कुंदनानी का पहला म्युजिक वीडियो " रांझणा " समीर सेन, निखिल कामत, कॉमेडियन वीआईपी ने किया लॉन्च

इस अवसर पर शानदार केक काटकर सिंगर और ऐक्ट्रेस आशिका कुंदनानी का बर्थडे भी मनाया गया. सिंगर आशिका कुंदनानी का पहला म्युज़िक वीडियो "रांझणा" मुम्बई के लव एंड लाते में भव्य रूप से लॉन्च किया गया। इस अवसर पर गाने की संगीतकार ऋतु जौहरी, गीतकार ऋचा जौहरी, निर्माता रवि कुंदनानी, जीतू शंकर (जीबीएन एंटरटेनमेंट)और वीडियो डायरेक्टर सुमित रंजन उपस्थित रहे। यहां कई सेलेब्रिटी गेस्ट्स भी उपस्थित थे, जिनमे संगीतकार समीर सेन, संगीतकार निखिल कामत, कॉमेडियन वीआईपी, सिंगर दिव्य कुमार का नाम उल्लेखनीय है। ऋतु प्रभा प्रोडक्शन और जीतू शंकर (जीबीएन एंटरटेनमेंट) द्वारा प्रेजेंट इस खूबसूरत गीत के लोकार्पण समारोह में ही शानदार केक काटकर सिंगर और ऐक्ट्रेस आशिका कुंदनानी का बर्थडे भी मनाया गया।

आशिका कुंदनानी ने बताया कि रांझणा गीत काफी बेहतरीन है, जिसमें मेरा किरदार और लुक बहुत अलग है। बचपन से ही गायकी का शौक रहा है, इसकी बाकायदा तालीम हासिल की है। यह गीत करना मेरे लिए इसलिए चुनौतियों भरा रहा कि इसमे गायकी के साथ मुझे अभिनय भी करना था। लेकिन मैं निर्देशक सुमित रंजन की आभारी हूं कि उन्होंने मुझसे यह काम बेहतरीन ढंग से करवा लिया। स्क्रीन पर खुद को देखती हूं तो खुशी होती है। यह गाना जैसलमेर के रेगिस्तान में फ़िल्माया गया है।"आशिका ने आगे कहा कि मैं अपने पहले वीडियो के लॉन्च के अवसर पर आए तमाम मेहमानों संगीतकार समीर सेन, संगीतकार निखिल कामत, कॉमेडियन वीआईपी, सिंगर दिव्य कुमार का शुक्रिया अदा करती हूं। यह गीत एक ऐसी लड़की के बारे में है जो अपने पिया की तलाश में निकली है, यह एक सूफी सॉन्ग है जिसमें इमोशंस और दर्द भी है।"आशिका को गायकी की प्रतिभा विरासत में मिली है। वह गुरु ऋतु जौहरी को अपनी फेवरेट सिंगर, गुरु और मेंटर मानती हैं।संगीतकार ऋतु जौहरी ने बताया कि आशिका ने कम उम्र में ही बता दिया था कि उसमें गायकी का जुनून है। उसकी आवाज़ में एक अजीब सी कशिश है। एक दिन वह एक सूफी सॉन्ग गुनगुना रही थी जिससे मैं बहुत प्रभावित हुई और मुझे लगा कि आशिका का पहला सांग एक सूफी सॉन्ग ही होना चाहिए। इस तरह रांझणा गीत कम्पोज़ किया और सबकुछ जैसे होता चला गया। यहां आए सभी गेस्ट्स संगीतकार (दिलीप सेन) समीर सेन, संगीतकार निखिल कामत (निखिल विनय), कॉमेडियन वीआईपी, सिंगर दिव्य कुमार ने आशिका की आवाज़ तारीफ की और उनके फर्स्ट सॉन्ग के लिए उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं दीं। मुंडे मीडिया ने इस प्रोग्राम के पीआर की जिम्मेदारी बखूबी निभाई।

मानव सोहल की फि ल्म ' मैं राज कपूर हो गया ' का गीत ' मुंबाली ' भिवंडी में सैकड़ों लोगों के बीच हुआ लॉन्च

भव्य प्रोग्राम मेंइस सॉन्ग लॉन्च के अवसर पर मानव सोहल, अभिनेत्री अरशीन मेहता, श्रावणी गोस्वामी, कांचन पगारे, उर्मिला शर्मा, निर्माता मुकेश शर्मा, निर्माता अर्पित गर्ग, को प्रोड्यूसर साहिल मलिक और भिवंडी के आरपीआई अध्यक्ष महेंद्र गायकवाड़, नगरसेविका नंदिनी गायकवाड़ इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थींऔर संगीत निर्देशक विद्युत गोस्वामी जैसी हस्तियां भी उपस्थित रही। बॉलीवुड निर्देशक और अभिनेता मानव सोहल की हिंदी फिल्म 'मैं राज कपूर हो गया' १७ फरवरी २०२३ को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इस फ़िल्म का एक गीत " गली का एक आवारा ' ब्लॉकबस्टर सिद्ध हुआ है। मानव सोहल ने अपनी बहुप्रतीक्षित फ़िल्म का दूसरा गीत " मुम्बाली " भिवंडी में स्टार कास्ट और पब्लिक के बीच लॉन्च किया।

मानव सोहल और श्रावणी गोस्वामी पर फिल्माया गया गीत बेहद खूबसूरत डांस नम्बर है।

सॉन्ग लॉन्च पर मानव सोहल की ग्रैंड एंट्री अपनी हीरोइन के साथ बुलेट पर हुई। उसके बाद उन्होंने वहां आई भारी भीड़ के बीच सॉन्ग लॉन्च किया। इस अवसर पर यहां बड़े बूढ़े बच्चे महिलाएं सभी मौजूद थे। मानव सोहल ने सभी ऐक्ट्रेस के साथ पब्लिक के बीच डांस किया। सभी ने खूब एन्जॉय किया। इस प्रोग्राम की विशेषता यह रही कि मानव सोहल, अभिनेत्रियों श्रावणी गोस्वामी और अरशीन मेहता ने यहां आए सभी लोगों को स्पेशल लड्डू बांटा। फिर भिवंडी के बच्चों ने स्टेज पर मुम्बाली गीत पर डांस किया जिन्हें टी शर्ट देकर सम्मानित किया गया।

इस सॉन्ग लॉन्च पर एक्टर डायरेक्टर मानव सोहल ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि हम इस गाने को मुम्बई में कहीं बड़ी जगह पर लॉन्च कर सकते थे, हमने पहला गाना पीवीआर में लॉन्च किया था, मगर मैं चाहता था कि यह गीत भिवंडी में उस जगह लॉन्च किया जाए जहां इस फ़िल्म की शूटिंग हुई है।

नासिक में कांग्रेस की छीछालेदर

मुंबई। विधान परिषद की नासिक स्नातक सीट पर कांग्रेस की उस वक्त छीछालेदर हुई, जब पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार डॉ. सुधीर तांबे ने अपनी उम्मीदवारी का पर्चा दाखिल नहीं किया, वहीं दूसरी तरफ सुधीर तांबे के बेटे और महाराष्ट्र युवक कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सत्यजीत तांबे ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि मामले की पूरी जानकारी लेकर वे प्रतिक्रिया देंगे। सत्यजीत तांबे ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और हमारी कई दिनों से बातचीत जारी थी। दरअसल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चाहते थे कि मैं चुनाव लडूं, लेकिन तकनीकी कारणों से डॉ. सुधीर तांबे की उम्मीदवारी दी गई। सत्यजीत तांबे ने कहा कि मेरी उम्मीदवारी कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता के रूप में है।

गुजरात के पालीताणा तीर्थ में असमाजिक गतिविधियों को लेकर जैन समुदाय में आक्रोश- मुंबई जैन संघ संगठन ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस

श्री सम्मेद शिखर जी झारखंड में जैन धर्म का सबसे बड़ा तीर्थ स्थल माना जाता रहा है। सरकार द्वारा इसे पर्यटन स्थल घोषित करने के बाद जैन समुदाय ने इसके विरुद्ध झारखंड समेत देश भर में आंदोलन किया। 1 जनवरी 2023 को दिल्ली मुंबई समेत कई स्थानों पर जैन समुदाय के लोगों ने प्रदर्शन किया। इस जबरदस्त विरोध को देखते हुए श्री सम्मेद शिखरजी के पर्यटन स्थल में बदलने पर रोक लगा दी गई है।इस पूरे मामले को लेकर आज मुंबई के 1100 से अधिक जैन संघों के समूह, श्री मुंबई जैन संघ संगठन, की ओर से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जहां श्री मुंबई जैन संघ संगठन के कन्वीनर श्री नितिन वोरा तथा संगठन के अन्य श्रेष्ठी कमलेश भाई, पूजा बेन, स्नेहल भाई शाह, कुमार दोषी और विपुल भाई शाह ने इस मुद्दे पर मीडिया

से बात की।नितिन वोरा ने बताया कि श्री सम्मेद शिखरजी के पर्यटन स्थल में बदलने पर रोक लगाने के लिए धन्यवाद लेकिन इसमें और भी सुधार करने अगर बाकी बचे तो, Detailed Gazette आने के बाद उसका अभ्यास किया जाएगा।इन 90 से अधिक रैलियों में एक और मुद्दा भी उठाया गया था पालीताणा तीर्थ रक्षण का मुद्दा। यह मुद्दा अभी तक Official Paper पर आना अपेक्षित है।श्री कमलेश भाई ने बताया कि गुजरात के पालीताना में स्थित, श्री शत्रुंजय तीर्थ, जैन समाज का एक बेहद पवित्र तीर्थ है जहां पिछले कुछ वर्षो से असामाजिक तत्वों द्वारा गैर कानूनी गतिविधियां की जा रही हैं, जिससे तीर्थ क्षेत्र को हानि हो रही है। यहां सैकड़ों वर्ष पुराने भगवानजी के चरण पादुका को तोड़ा गया, जैन साधुजी को अपशब्द कहे गए और उन्हें मारने का भी प्रयत्न किया गया। यहां अवैध रूप से माइनिंग, ज़मीन पर अवैध रूप से कब्जा, दारू की भट्टी सहित 19 बड़े मुद्दे हैं जिसे लेकर जैन समाज अब उग्र आंदोलन की तैयारी कर रहा है। सरकार से हमारी अपील है कि इस मुद्दे को जल्द से जल्द एक्शन ली जाए। देश में जैन समाज को इन घटनाओं से गहरी चोट पहुंची है।बता दें कि झारखंड सरकार द्वारा श्री सम्मेद शिखरजी के पर्यटन स्थल घोषित करने के फैसले के विरोध में जैन समुदाय के सदस्यों ने भारी संख्या में विरोध प्रदर्शन किया। यह विरोध की लहरें दिल्ली, मुंबई और अहमदाबाद के अलावा अन्य शहरों में भी देखने को मिली थीं। इसके बाद सरकार ने इसको पर्यटन स्थल में बदलने पर रोक लगा दी।उल्लेखनीय है कि श्री सम्मेद शिखरजी को पार्श्वनाथ पर्वत भी कहा जाता है, जो झारखंड के गिरिडीह जिले में स्थित है। जैन धार्मिक मान्यता यह है कि 24 में से 20 जैन तीर्थंकरों और भिक्षुओं ने यहीं मोक्ष हासिल किया है।

बीएआरसी तकनीक से रेल यात्रियों को स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था

गणेश पाण्डेय मुंबई: मध्य रेल द्वारा अपने यात्रियों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने की व्यवस्था को सुनिश्चित करने भारतीय रेल पर

अल्ट्रा-फिल्टरेशन मेंब्रेन टेक्नोलॉजी के कार्यान्वयन के लिए परमाणु ऊर्जा विभाग (DAE) के तहत भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (BARC) के साथ हाथ मिलाया है। BARC ने माइक्रोबियल संदूषण, मैलापन, लवणता, कठोरता, फ्लोराइड, आर्सेनिक, लोहा और अन्य कई संदूषणों को हटाने के लिए पॉलीसल्फोन आधारित अल्ट्रा-फिल्ट्रेशन मेम्ब्रेन तकनीक विकसित की है, जो पीने योग्य पानी और BIS 10500 पीने के पानी के मानक के अनुरूप है। यह एक ऊर्जा कुशल और कम लागत वाली तकनीक है, जिसका भारत के 50 गांवों में परीक्षण किया जा रहा है। मध्य रेल मुंबई मंडल ने पहले चरण में 4 स्टेशनों पर 10 स्थानों की चिन्हित किया है। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (1), सैंडहर्स्ट रोड (1), दादर (4) और लोकमान्य तिलक टर्मिनस (4) इस संबंध में एक समझौते पर के.टी. शेनॉय, निदेशक, BARC की ओर से केमिकल इंजीनियरिंग ग्रुप और रॉबिन कालिया, सीनियर डीसीएम, मुंबई की ओर से मध्य रेल की ओर से दिनांक 6 जनवरी 2023 को इति पांडे, मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (PS) मध्य रेल और ए के अदक की उपस्थिति में हस्ताक्षर किया किया गया। इस अवसर पर प्रमुख, विलवणीकरण और मेंम्ब्रेन तकनीक, बीएआरसी, डॉ अशोक उपाध्याय,अतिरिक्त मुख्य इंजीनियर, एनपीसीआईएल और डॉ सौमित्र कर,संयोजक, विलवणीकरण और मेंम्ब्रेन तकनीक, बीएआरसी उपस्थित थे । मध्य रेल स्वीकृत सभी स्थानों पर उपकरणों की शीघ्र स्थापना के लिए सभी सहायता और सहयोग प्रदान करेगा ।

व्यापारियों द्वारा और व्यापारियों के लिए ऑनलाइन व्यापार के लिए ग्रोमा के सहयोग से लॉन्च किया गया "भारत ई मार्ट" ऐप

कॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के महाराष्ट्र प्रदेश के महामंत्री एवं अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने बताया पिछले कुछ वर्षों में पारंपरिक व्यवसायों के बजाय ऑनलाइन कारोबार बढ़ रहे हैं। इसमें भी 2 साल के कोरोना काल से लोगों की खरीदारी की प्रणाली में संपूर्ण परिवर्तन देखा जा रहा है। अधिकतर लोग घर बैठे सामान मंगवाना पसंद करने लगे हैं जिससे ऑनलाइन व्यापार दिन दोगुना रात चौगुना बढ़ रहा है खासकर 15 से लेकर 40 साल तक की आयु के ग्राहक ऑनलाइन के माध्यम से ही खरीदी करना पसंद कर रहे हैं जिससे परंपरागत व्यापारियों को अपने व्यापार से हाथ धोने पड़ रहे हैं।ऑनलाइन व्यापार को बढ़ते देख परंपरागत व्यापारियों को टिकाए रखने के लिए कैट द्वारा पिछले 3 वर्षों से अधिक समय से ऑनलाइन प्लेटफॉर्म बनाने की तैयारियां शुरू की थी जो कि अब संपूर्ण रूप से तैयार होकरव्यापारियों एवं ग्राहकों की सेवा में लॉन्च किया गया।अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन कारोबार की प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए इसके बारे में व्यापारियों को समझ होना बहुत जरूरी है।

नवी मुंबई में ग्रोमा बिल्डिंग के वेलजी लखमशी नापू हॉल में विधिवत रूप से ई भारत मार्ट ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का

लॉन्चिंग किया गया। यह पोर्टल संपूर्ण रूप से स्वदेशी है इस पोर्टल पर चाइना द्वारा निर्मित किसी भी प्रकार के उत्पाद को नहीं बेचा जाएगा यह जानकारी देते हुए कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने कहा यह पोर्टल अन्य के मुकाबले आधुनिक तकनीक से लैस है खासकर इस पोर्टल में वीडियो बोट और चैट बोट जैसी सुविधाएं उपलब्ध है इसके अलावा इस पोर्टल पर किसी भी प्रकार का कमीशन नहीं लिया जाएगा एवं ऑनलाइन दुकान बनाने का कोई भी चार्ज नहीं लिए जाएगा।ग्रोमा के अध्यक्ष शरद मारू ने कहा हमारे परंपरागत व्यापारियों के दिन-ब-दिन कम होते व्यापार को फिर से पूर्ववत करने के लिए,

ई भारत मार्ट मील का पत्थर साबित हो सकता है।

यह पोर्टल हमारे परिसंघ यानी कि व्यापारियों द्वारा बनाया गया और व्यापारियों को इस पोर्टल पर व्यापार करने में आसानी हो इसलिए अंग्रेजी एवं अन्य भाषाओं की भी सुविधा उपलब्ध की गई है एवं सरलता से इस्तेमाल किया जा सके इसलिए एप्लीकेशन भी आसान बनाई गई है।ग्रोमा के मंत्री भीमजी भानूशाली ने कहा स्वदेशी ऐप का लाभ उठाकर अपने ऑनलाइन कारोबार को बढ़ाने के अवसर व्यापारियों को चूक न नहीं चाहिए इसलिए ज्यादा से ज्यादा व्यापारी पोर्टल पर अपना दुकान खोलें एवं जिन दुकानों को वह माल बेचते हैं उन्हें भी इस पोर्टल पर अपनी दुकान खोलने के लिए प्रेरित करें।इस कार्यक्रम में कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल, अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कैट महाराष्ट्र के महामंत्री शंकर ठक्कर,महाराष्ट्र अध्यक्ष सचिन निवंगुने, उपाध्यक्ष सुरेश ठक्कर, मुंबई चेयरमैन एवं मुंबई ग्रैंड डीलर एसोसिएशन के अध्यक्ष रमणीक छेड़ा,वरिष्ठ अमर्शी कारिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्षा काजल आनंद, राष्ट्रीय मंत्री अनुजा गुप्ता,ग्रोमा संस्था के अध्यक्ष शरदकुमार मारू, उपाध्यक्ष महेंद्रभाई गजरा, मानद मंत्री श्री भीमजीभाई भानुशाली, मा. मानद मंत्री जयंत गंगार एवं अन्य वरिष्ठ व्यापारी एवं बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे। बैठक का सफल सूत्रसंचालन ग्रोमा के मंत्री अमृतलाल जैन ने किया।:कॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स, महाराष्ट्र प्रदेश

आरपीएफ का यात्रियो हेतु अखिल भारतीय अभियान

संवाददाता

महिलाओं के लिए आरक्षित डिब्बों में यात्रा करने/प्रवेश करने के आरोप में 5100 से अधिक व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है।6300 से अधिक व्यक्तियों को दिव्यांजनों के लिए आरक्षित डिब्बों में यात्रा करने/प्रवेश करने के लिए गिरफ्तार किया गया।रेलवे सुरक्षा बल को रेलवे संपत्ति, यात्रियों, यात्री क्षेत्र और उससे संबंधित मुद्दों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यात्रियों को सुगम यात्रा की सुविधा प्रदान करने के लिए और उनके बीच सुरक्षा की भावना पैदा करने के लिए, आरपीएफ ने महीने भर चलने वाला अभियान शुरू किया और (i) महिलाओं और दिव्यांग व्यक्तियों के लिए आरक्षित डिब्बों में अनधिकृत प्रवेश के खिलाफ (ii) किन्नरों द्वारा उपद्रव, भीख मांगना और जबरन वसूली के खिलाफ और (iii) सामान्य कोचों में अनाधिकृत व्यक्तियों द्वारा सीट हड़पने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है।इस अभियान के दौरान, 5100 से अधिक व्यक्तियों को महिलाओं के लिए आरक्षित डिब्बों में यात्रा करने/प्रवेश करने के लिए तथा 6300 से अधिक व्यक्तियों को दिव्याजनों के लिए आरक्षित डिब्बों में प्रवेश करने के लिए गिरफ्तार किया गया और ऐसे लोगों के खिलाफ रेलवे अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत कानूनी कार्रवाई की गई। इस दौरान इन अपराधियों से क्रमशः 6.71 लाख और 8.68 लाख रुपए जुर्माने के रूप में वसूल किए गए।कुछ किन्नरों द्वारा ट्रेन में उपद्रव करने और यात्रियों के साथ दुर्व्यवहार करने के बारे में कई शिकायतें सामने आती रही हैं। इस अभियान के दौरान सघन प्रयास करते हुए 1200 से अधिक किन्नरों को ऐसी गतिविधियां करते हुए पकड़ा गया और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई। इनसे रेलवे एक्ट के प्रावधान के तहत जुर्माने के तौर पर 1.28 लाख रुपये की राशि वसूल की गई।इसके अलावा, लंबी दूरी की ट्रेनों के सामान्य डिब्बों में सीट पर कब्जा करने के खतरे को रोकने के लिए अभियान चलाए गए। 36 व्यक्तियों को सीटों पर तौलिया फैलाने/सीट पर कब्जा करने के मामलों में शामिल होने की पहचान की गई, उन्हें पकड़ा गया और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की गई।आरपीएफ को भविष्य में भी इसी भावना से ऐसे अभियान जारी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल

सारथी, भारत का पहला प्रेसिजन ऑन्कोलॉजी नेविगेशन प्रोग्राम अस्पताल संजय दत्त द्वारा लॉच किया गया

सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल ने आज कार्किनोस हेल्थकेयर (प्रारंभिक पहचान को सक्षम करने के लिए प्रौद्योगिकी संचालित ऑन्कोलॉजी केंद्रित फर्म) के सहयोग से एक ग्लोबल टाउनहॉल का आयोजन किया था, जिसमें डॉ. कीथ टी. फ्लेहर्टी, हावर्ड मेडिसिन स्कूल के प्रोफेसर, डॉ. सुरेश आडवाणी, सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल में मेंटर, डॉ. विजय हरिभक्ति, डायरेक्टर ऑन्को साइंसेज, सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल, डॉ. प्रशांत कुमार कार्किनोस और डॉ. टी राजा, डायरेक्टर-मेडिकल ऑन्कोलॉजी, अपोलो चेन्नई। प्रेसिजन ऑन्कोलॉजी पर विचार-विमर्श किया गया। संवाद ने आगे उपन्यास की समझ, कैंसर में आणविक रूप से लक्षित उपचारों और प्रतिक्रिया के विकास को मापने के तरीके को विस्तृत किया। यह नए उपचारों की कार्रवाई और प्रतिरोध के तंत्र को परिभाषित करने के साथ-साथ इष्टतम लक्ष्य आबादी की पहचान करने के लिए भविष्य कहनेवाला बायोमार्कर पर चर्चा केंद्रित थी। कैंसर की रोकथाम के साथ-साथ इसके उपचार के बारे में शिक्षा को मजबूत

करने के लिए विचार-विमर्श के अलावा, श्रीमती प्रिया दत्त, पूर्व संसद सदस्य, चैंपियन ऑफ कैंसर केयर और नरगिस दत्त फॉउंडेशन की ट्रस्टी, डॉ. तरंग ज्ञानचंदानी, सीईओ, सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल और डॉ. सेवंती लिमये, निदेशक प्रिसिजन ऑन्कोलॉजी और श्री संजय दत्त (अभिनेता) के इलाज करने वाले डॉक्टर ने "सारथी" पेशेंट नेविगेशन प्रोग्राम लॉन्च करने की घोषणा की, जो देश में पहला प्रेसिजन नेविगेशन प्रोग्राम है। यह प्रोग्राम रोगियों और देखभाल करने वालों को समर्पित होगा जो रोगी नेविगेशन के लिए देश भर में गैर सरकारी संगठनों के साथ सहयोग करेंगे। प्रमुख अतिथि श्री संजय दत्त, पुरस्कार विजेता बॉलीवुड स्टार और द डेफेट-एनसीडी पार्टनरशिप द्वारा कैंसर केयर के लिए ग्लोबल चैंपियन, ने अपने उपचार ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ सेवंती लिमये के साथ बातचीत में उस समय से अपनी यात्रा के बारे में बात की जब उन्हें लंग कैंसर का पता चला था। अगस्त 2020 में कैंसर के बारे में बताया कि कैसे उन्होंने डॉ. लिमये और उनकी टीम की चौकस निगाहों के तहत सटीक आधारित उपचार किया और अंततः उन्हें पूरी तरह से ठीक किया। उन्होंने आशावाद और साहस के साथ निदान तक पहुंचने, फिटनेस-पूर्ण जीवन शैली बनाए रखने और इलाज के दौरान अपने दोस्तों और परिवार के समर्थन के अमूल्य योगदान के बारे में बात की। उन्होंने कैंसर की देखभाल में सटीकता और कैंसर की देखभाल तक पहुंच की चुनौतियों का समर्थन करने की अपनी इच्छा के बारे में भी बात की। डॉ. तरंग ज्ञानचंदानी ने कहा: “सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल में हम प्रेसिजन की अवधारणा के लिए प्रतिबद्ध हैं और यह कहते हुए गर्व महसूस हो रहा है कि हम देश के पहले प्रेसिजन कैंसर केंद्रों में से एक चलाते हैं। हम देश में कैंसर देखभाल और कैंसर अनुसंधान के स्तर को बढ़ाने की उम्मीद करते हैं।

कार्किनोस हेल्थकेयर के संस्थापक और सीईओ डॉ. आर वेंकटरमनन ने कहा: "हमें अग्रणी कार्यक्रम का हिस्सा बनने की

अनुमति देने के लिए एचएन रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल और डॉ. सेवंती लिमये का आभारी हूं, जो मौलिक रूप से सटीक ऑन्कोलॉजी को एक किफायती और सुलभ तरीके से बदल देता है। भविष्य में इस तरह की और पहलों की प्रतीक्षा है। डॉ सेवंती लिमये ने कहा:प्रत्येक कैंसर रोगी व्यक्तिगत कैंसर उपचार का हकदार है जो उन्हें विशिष्ट रूप में है।

छह कर्मचारी को महाप्रबंधक संरक्षा पुरस्कार

संवाददाता मुंबई: अशोक कुमार मिश्र महाप्रबंधक मध्य रेल और पश्चिम रेलवे ने मुंबई, भुसावल और नागपुर मंडलों के 2-2 मध्य रेल कर्मचारियों को "महाप्रबंधक संरक्षा पुरस्कार" से सम्मानित किया। 09 जनवरी 2023 को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस मुंबई में आयोजित एक समारोह में ड्यूटी के दौरान उनकी सतर्कता से अप्रिय घटनाओं को टालने में उनके योगदान और नवंबर/दिसंबर 2022 के महीने के दौरान ट्रेन संचालन में संरक्षा सुनिश्चित करने में उनके योगदान की सराहना की गई। पुरस्कार में एक पदक, प्रशंसा प्रमाण पत्र, अनुकरणीय संरक्षा कार्य का प्रशस्ति पत्र और ₹ 2000/- का नकद पुरस्कार शामिल है। मिश्र ने सम्मानित किए जा रहे कर्मचारियों की सतर्कता की सराहना की और उल्लेख किया कि वे सभी के लिए एक अनुकरणीय रोल मॉडल हैं। सम्मानित किए गए कर्मचारियों ने संरक्षा के विभिन्न क्षेत्रों जैसे ट्रॉली में दरार का पता लगाने, पहिये में स्पार्कलिंग का पता लगाने, हॉट एक्सल का पता लगाने और गुजरने वाली ट्रेन में चिंगारी और धुएं के बारे में समय पर जानकारी देने के लिए ट्रेनों को सुरक्षित चलाने में अपना महान उत्साह और प्रतिबद्धता दिखाई। मध्य रेल को उन सभी पुरस्कृत कर्मचारियों पर गर्व है जिन्होंने अपनी त्वरित कार्रवाई और सतर्कता से किसी भी अप्रिय घटना की संभावना को टालने में मदद की। महाप्रबंधक संरक्षा पुरस्कार के 6 विजेताओं में दीपू कुमार, फिटर और रुपेश गोरखनाथ म्हात्रे, मुंबई मंडल के फिटर, प्रमेंद्र कुमार शाक्य, टेकनीशियन और रितेश राजेंद्र जवांजल, नागपुर मंडल के ट्रैक मेंटेनर और श्रेष्ठ खरे, सहायक स्टेशन प्रबंधक एवं जय प्रकाश तुलसीराम की मैन भुसावल मंडल के हैं। आलोक सिंह, अपर महाप्रबंधक, मध्य रेल, डी वाई नाइक, प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी,मुकुल जैन, प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक, एन पी सिंह, प्रधान मुख्य विद्युत इंजीनियर,सुनील कुमार, प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर और अन्य विभागों के प्रमुख विभागाध्यक्ष इस अवसर पर उपस्थित थे तथा सभी मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक भी इस कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए।

भारतीय महिला टीम ग्रुप जी में तुर्कमेनिस्तान और किर्गिस्तान के साथ

नई दिल्ली। भारत को महिलाओं के ओलंपिक फुटबॉल टूर्नामेंट 2024 के एशियाई क्वालीफायर के पहले दौर के ड्रा में ग्रुप जी में किर्गिस्तान और तुर्कमेनिस्तान के साथ रखा गया है। ड्रा गुरुवार को कुआलालंपुर में एएफसी हाउस में कराया गया। इसमें 26 टीमों को चार चार के पांच ग्रुप और तीन तीन के दो ग्रुप में रखा गया है। मैच तीन से 11 अप्रैल तक लीग प्रारूप में खेले जाएंगे। सात ग्रुप की विजेता टीम दूसरे दौर में पहुंचेगी जिसमें उनके साथ पांच शीर्ष वरीयता प्राप्त टीमें - उत्तर कोरिया, जापान, आस्ट्रेलिया, चीन और दक्षिण कोरिया - जुड़ जाएंगी।

संन्यास ले चुके क्रिकेटरों को चिकित्सा बीमा कवर देगा आईसीए

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटरों के संघ (आईसीए) ने गुरुवार को घोषणा की कि वह अपने सदस्यों को 1.50 लाख रुपए का चिकित्सा बीमा कवर मुहैया कराएगा। आईसीए के इस कदम से संन्यास ले चुके 100 से ज्यादा क्रिकेटरों को फायदा मिलेगा। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) की चिकित्सा व्यय पुनर्भुगतान योजना केवल उन क्रिकेटरों के लिए है जिन्होंने 10 या इससे ज्यादा प्रथम श्रेणी मैच खेले है जिससे आईसीए के कई सदस्य इसके लिए योग्य नही है।

कसातकिना और बाडोसा एडीलेड टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में होंगी आमने सामने

एडीलेड। पांचवी वरीय दारिया कसातकिना ने 12वें नंबर की खिलाड़ी और दो बार की पूर्व विम्बलडन चैम्पियन पेत्रा क्वितोवा को 6-3, 7-6 से हराकर एडीलेड अंतरराष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। नौवी वरीय पौउला बाडोसा ने बिट्रजि हदाद माइया को 7-6, 7-5 से हराया जिससे वह भी अगले दौर में पहुंच गई है और वह कसातकिना के सामने होंगी जो उनके खिलाफ पिछले तीन में से दो मुकाबले जीत चुकी है। कसातकिना की क्वितोवा पर यह पहली जीत थी। दोनों 2018 में क्लेकोर्ट पर एक दूसरे से भिड़ी थी जिसमें क्वितोवा ने 6-4, 6-0 से जीत हासिल की थी।

साउथम्पटन ने लीग कप क्वार्टर फाइनल में मैनचेस्टर सिटी को हराया

लंदन। साउथम्पटन ने इंग्लिश लीग कप फुटबॉल में आठ बार की चैम्पियन मैनचेस्टर सिटी को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। प्रीमियर लीग में सबसे नीचे काबिज टीम ने बड़ा उलटफेर करके गत चैम्पियन सिटी को 2-0 से मात दी। अब उनका सामना न्यूकैसल से होगा। नॉटिघम फॉरेस्ट ने वोल्व्स को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराया जबकि पिछला मैच ड्रॉ रहा था। अब उसका सामना दूसरे सेमीफाइनल में मैनचेस्टर युनाइटेड से होगा।

तोरिनो से हारकर मिलान इटालियन कप से बाहर

मिलान। गत सीरि ए चैम्पियन एसी मिलान दस खिलाड़ियों तक सिमटी तोरिनो स हारकर इटालियन कप फुटबॉल से बाहर हो गई। तोरिनो का सामना अब सैंपडोरिया या फ्लोरेंटिना से होगा। तोरिनो डी ने अतिरिक्त समय में एंडारी अडोपो के गोल के दम पर जीत दर्ज की। मिलान ने इससे पहले रोमा से 2-2 से ड्रॉ खेला था।

48 साल बाद विश्व कप में पदक जीतने के इरादे से उतरेगा भारत

पहला मुकाबला स्पेन से

तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर पुराना गौरव लौटाने की दिशा में पहला कदम रख चुकी भारतीय हॉकी टीम शुक्रवार को स्पेन के खिलाफ पुरूष हॉकी विश्व कप के पहले मैच में उतरेगी तो उसका इरादा विश्व कप में पदक के लिए 48 साल का इंतजार खत्म करने का होगा। ओलंपिक में आठ स्वर्ण पदक जीत चुकी भारतीय टीम ने एकमात्र विश्व कप 1975 में कुआलालम्पुर में अजितपाल सिंह की कप्तानी में जीता था। उसके बाद से टीम सेमीफाइनल में भी नहीं पहुंच सकी है। इससे पहले 1971 में पहले विश्व कप में भारत ने कांस्य और 1973 में रजत पदक जीता था। इसके बाद 1978 से 2014 तक भारत ग्रुप चरण से आगे नहीं जा सका। पिछली बार भी भुवनेश्वर में हुए विश्व कप में भारत क्वार्टर फाइनल में नीदरलैंड से हारकर बाहर हो गया था। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली भारतीय टीम इस बार अपनी सरजमीं पर पदक के प्रबल दावेदारों में से है।विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज भारत ने हाल ही में आस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन किया था हालांकि उसे। . 4 से पराजय का सामना करना पड़ा। ग्राहम रीड की टीम ने आस्ट्रेलिया जैसी दमदार टीम को एक मैच में हराकर छह साल बाद उसके खिलाफ जीत दर्ज की। भारत ने एफआईएच प्रो लीग में भी 2021-22 सत्र में तीसरा स्थान हासिल किया। रीड के 2019 में कोच बनने के बाद से भारत का कद अंतरराष्ट्रीय हॉकी में बढा है। रीड खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराने में कामयाब रहे हैं। उन्होंने कहा , हम अभ्यास के दौरान भी मैच हालात के अनुरूप खेलते हैं। मसलन एक गोल से पिछड़ने के बाद कैसे खेलेंगे या फिर दस खिलाड़ियों तक सिमटने के बाद कैसा प्रदर्शन होगा। इस वर्ष एफआईएच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी और भारत के कप्तान हरमनप्रीत सिंह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ड्रैग फ्लिकर में से हैं। उनके अलावा अनुभवी गोलकीपर पी आर श्रीजेश, मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह और मनदीप सिंह पर सफलता का दारोमदार होगा। डिफेंडर अमित रोहिदास भी काफी अनुभवी हैं और पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञ भी हैं। फॉरवर्ड आकाशदीप सिंह पर भी सभी की नजरें होंगी। भारत का सामना कल स्पेन से होगा और मेजबान की मंशा जीत के साथ शुरूआत करने की होगी ताकि क्वार्टर फाइनल में सीधे जगह बना सके। हर ग्रुप से शीर्ष टीम सीधे क्वार्टर फाइनल में पहुंचेगी और दूसरे तथा तीसरे स्थान की टीमों के बीच क्रॉसओवर मैच होंगे। क्रॉसओवर के जरिए अंतिम आठ में पहुंचने पर सामना गत चैम्पियन बेल्जियम जैसी कठिन टीमों से हो सकता है। रीड ने कहा , पहला मैच काफी महत्वपूर्ण है और हम उसी पर फोकस कर रहे हैं। विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज स्पेन भारत के लिए कभी आसान प्रतिद्वंद्वी नहीं रहा हालांकि वह टूर्नामेंट की सबसे युवा टीमों में से है। स्पेन 1971 और 1998 में उपविजेता रहा और 2006 में कांस्य पदक जीता। अर्जेंटीना के मैक्स काल्डास की कोचिंग और अलवारो इग्लेसियास की कप्तानी में स्पेन ने पिछले साल अक्टूबर नवंबर में भुवनेश्वर में हुए प्रो लीग मैचों में भारत को पहले मैच में 3 . 2 से हराया था। दूसरा मैच पेनल्टी शूटआउट तक पहुंचा था। पिछले साल फरवरी में प्रो लीग मैचों में स्पेन ने पहला मैच 5 . 3 से जीता जबकि दूसरा भारत ने 5 . 4 से अपने नाम किया। भारत ने 1948 से अब तक स्पेन के खिलाफ 30 में से 13 मैच जीते जबकि स्पेन ने 11 मैच जीते जबकि छह मैच ड्रॉ रहे। अलवारो ने , हमारे अधिकांश खिलाड़ी पहली बार विश्व कप खेल रहे हैं।

हरमनप्रीत सिंह

अनुभव को जरूरत से ज्यादा तवज्जो दी जाती है: रीड

राउरकेला। भारत के कोच ग्राहम रीड ने गुरुवार को कहा कि मेजबान टीम को स्पेन के कम अनुभवी खिलाड़ियों से टूर्नामेंट के पहले मैच में चिंतित होना चाहिए क्योंकि विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में अनुभव को जरूरत से ज्यादा तवज्जो दी जाती है। स्पेन के अधिकांश खिलाड़ियों ने 100 से कम अंतरराष्ट्रीय मैच खेले है जबकि भारत के पास 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले अनुभवी खिलाड़ियों और युवा खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रीड ने कहा कि यह जरूरी नही है कि अनुभवी खिलाड़ी होने पर आप शानदार प्रदर्शन करोगे। उन्होने कहा कि मैच के बाद सर्वश्रेष्ठ हॉकी खेलने की जगह कोई चीज नही ले सकती। रीड ने मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा, यह हमारा घरेलू विश्व कप है, हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। हमें लगता है कि हम यह टूर्नामेंट जीत सकते है और इसके लिए ऐसा करना जरूरी है। कभी कभी इस तरह के बड़े टूर्नामेंट में अनुभवी को जरूरत से ज्यादा तवज्जो दी जाती है। हमें अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा और यह महत्वपूर्ण है। रीड ने कहा, स्पेन से सतर्क रहिए क्योंकि वे जितना सोचते है उससे कही बेहतर प्रदर्शन कर सकते है। उनके लिए गंवाने के लिए कुछ नही है और आपको उनसे सतर्क रहना होगा। यह वास्तविकता है। दुनिया की छठे नंबर की टीम भारत अपने अभियान की शुरुआत शुक्रवार को पूल ए मैच में नवनिर्मित बिरसा मुंडा स्टेडियम में स्पेन के खिलाफ करेगा।

विश्व कप हॉकी के लिए दो नई विशेष ट्रेन चलाएगा पूर्व तट रेलवे

भुवनेश्वर। भारत और स्पेन के बीच राउरकेला के बिरसा मुंडा स्टेडियम में शुक्रवार को होने वाले पुरुष हॉकी विश्व कप के पहले मैच से एक दिन पहले पूर्व तट रेलवे ने यहां ओडिशा की राजधानी और राउरकेला के बीच विशेष ट्रेन चलाने की घोषणा की। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार यहां कलिंगा स्टेडियम और राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में 13 से 29 जनवरी तक होने वाले एफआईएच हॉकी पुरुष विश्व कप के दौरान लोगों की अतिरिक्त आवाजाही को ध्यान में रखते हुए इस संदर्भ में फैसला किया गया। यात्रियों विशेषकर हॉकी प्रेमियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पूर्व तट रेलवे ने कहा कि भुवनेश्वर-राउरकेला विशेष रेल 15 से 31 जनवरी तक भुवनेश्वर से प्रत्एक सोमवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार और रविवार को रात आठ बजकर 25 मिनट पर रवाना होगी।

उप्र व उत्तराखंड के बीच मैच ड्रा की ओर

रणजी राउंडअप

लखनऊ। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में हो रहे रणजी मैच में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के बीच मैच ड्रा की ओर बढ़ रहा है। खराब मौसम के कारण उत्तर प्रदेश की टीम गुरूवार को पहली पारी में 67.5 ओवर में 142 रन पर सिमट गई। इसके जवाब में उत्तराखंड ने स्टंप तक 19 ओवर में दो विकेट गंवाकर 65 रन बना लिए थे।

पंजाब ने पहली पारी में महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की

वलसाड। अनुभवी कप्तान मंदीप सिंह और युवा गुरनूर बरार के अर्धशतकों की बदौलत पंजाब ने गुरूवार को यहां रणजी ट्राफी ग्रुप डी मैच में जम्मू कश्मीर के खिलाफ 46 रन से पहली पारी की अहम बढ़त हासिल की। जम्मू कश्मीर ने तीसरे दिन सुबह छह विकेट पर 176 रन से आगे खेलना शुरू किया और पूरी टीम 54.1 ओवर में 212 रन पर सिमट गई। खराब मौसम से मैच के पहले दो दिन काफी प्रभावित हुए। बलतेज सिंह ने गुजरात के खिलाफ पिछले मैच में 11 विकेट चटकाने के शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए 47 रन देकर पांच विकेट हासिल किए जबकि अनुभवी सिद्धार्थ कौल ने 82 रन देकर चार विकेट झटके।

बंगाल को 177 रन का लक्ष्य, 53 रनपर तीन विकेट गंवाए

कल्याणी। बंगाल को अगर बड़ौदा के खिलाफ रणजी ट्राफी ग्रुप ए मैच में जीत की उम्मीद रखनी है तो उसे अंतिम दिन काफी संयम दिखाना होगा क्योंकि उसने 177 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए तीसरे दिन स्टंप तक 53 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे। तीसरे दिन 4 विकेट गिरे। बंगाल की टीम अपने रात के स्कोर में केवल दो रन जोड़कर पहली पारी में 191 रन पर सिमट गई थी। फिर उसके तेज गेंदबाज मुकेश कुमार (43 रन देकर चार विकेट) और ईशान पोरेल (22 रन देकर तीन विकेट) ने बड़ौदा को दूसरी पारी में महज 98 रन के स्कोर पर समेट दिया। दूसरी बार बल्लेबाजी करने उतरी बंगाल ने अपने शीर्ष क्रम को सस्ते में गंवा दिया जिसमें सलामी बल्लेबाज अभिषेक दास (07), भारत ए के कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन (09) और अनुष्टुप मजूमदार (09) शामिल रहे। उसने तीसरा विकेट 53 रन के स्कोर पर गंवाया जिससे 177 रन के लक्ष्य तक पहुंचना मुश्किल हो सकता है।

दिल्ली के लिए चमके शोरे, आंध्र के खिलाड़ी वायु प्रदूषण के कारण मास्क पहनकर मैदान में उतरे

नई दिल्ली। ध्रुव शोरे ने गुरुवार को यहां दिल्ली के सुस्त रणजी ट्राफी अभियान में चमकना जारी रखा और सत्र का अपना तीसरा शतक जड़कर ग्रुप बी में आंध्र के खिलाफ अपनी टीम को पहली पारी की निर्णायक बढ़त की ओर बढ़ाया। शोरे 142 रन बनाकर क्रीज पर जमे हुए है जिन्होंने ऋतिक शौकीन (45 रन) और हिम्मत सिंह (नाबाद 45 रन) की मदद से अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है। शोरे इस सत्र में 744 रन बनाकर सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों में शीर्ष पर चल रहे है और चौथे दिन सुबह भी वह कुछ और रन अपने खाते में जोड़ लेंगे। खराब रोशनी के कारण जल्दी स्टंप कर दिया गया जिससे दिल्ली ने 93 ओवर में चार विकेट पर 300 रन बना लिए थे और वह आंध्र से पहली पारी के आधार पर 159 रन से पिछड़ रही है। आंध्र ने पहली पारी में 459 रन बनाए थे। अरूण जेटली स्टेडियम में ठंडी सुबह वायु प्रदूषण ने आंध्र के खिलाड़ियों को काफी परेशान किया जिससे उनके दो खिलाड़ी रिकी भुई और सी आर ज्ञानेश्वर मैदान पर मास्क पहनकर उतरे।

कर्नाटक ने राजस्थान को 10 विकेट से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह लगभग पक्की की

अलूर (कर्नाटक)। तेज गेंदबाज विजयकुमार विशाख और ऑफ स्पिनर कृष्णप्पा गौतम की शानदार गेंदबाजी से कर्नाटक ने गुरुवार को यहां रणजी ट्रॉफी ग्रुप सी मैच के तीसरे दिन राजस्थान को 10 विकेट से हराकर बोनस अंक हासिल किया। कर्नाटक के पांच मैच में 26 अंक हो गए है और उसने क्वार्टर फाइनल में जगह लगभग पक्की कर ली है। राजस्थान के पांच मैच में 14 अंक है। शुक्रवार को ग्रुप के सभी मैच खत्म होने के बाद राजस्थान की टीम तालिका में अपना दूसरा स्थान गंवा देगी। राजस्थान को पहली पारी में 129 रन पर समेटने के बाद कर्नाटक ने अनुभवी मनीष पांडे (101) के 23वें प्रथम श्रेणी शतक से 445 रन का स्कोर खड़ा किया। पांडे ने कल के 75 रन से आगे खेलते हुए 131 गेंद की अपनी पारी में 10 चौके और चार छक्के मारे। उन्होंने विद्वत कावेरप्पा (37) के साथ नौवें विकेट के लिए 57 रन की साझेदारी की। राजस्थान की टीम 316 रन से पिछड़ने के बाद दूसरी पारी में महिपाल लोमरोर के 99 और आदित्य गढ़वाल के 66 रन के बावजूद 330 रन पर सिमट गई।

आस्ट्रेलिया ओपन ड्रॉ : जोकोविच और नडाल की टक्कर फाइनल मे ही संभव

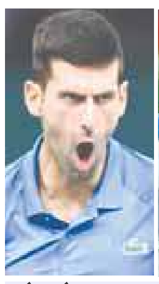

22 बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन नोवाक जोकोविच और उनसे एक खिताब ज्यादा जीत चुके रफेल नडाल को आस्ट्रेलियाई ओपन ड्रॉ में अलग अलग हाफ मिला है जिससे उनका सामना अब सीधे फाइनल में ही संभव है। नौ बार के चैम्पियन जोकोविच पिछली बार कोरोना का टीका नहीं लगवाने के कारण आस्ट्रेलियाई ओपन नहीं खेल सके थे। उनका यहां पहुंचने पर वीजा रद्द कर दिया गया था और उन्हें वापिस भेज दिया गया था। चौथी वरीयता प्राप्त जोकोविच का सामना सोमवार को पहले दौर में स्पेन के रॉबर्टो कारबालेस बाएना से होगा। दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियातेक जर्मनी की जूली नीएमेएर से खेलेगी। पोलैंड की स्वियातेज 2022 में यहां सेमीफाइनल तक पहुंची थी। नडाल को पहले मैच में ब्रिटेन के जैक ड्रेपर से खेलना है जो एडीलेड इंटरनेशनल में सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। पांच बार के उपविजेता एंडी में का सामना इटली के मातेओ बेरेतिनी से होगा जो विम्बलडन उपविजेता रह चुके हैं।

चोट के कारण सिलिच बाहर

मेलबर्न। पूर्व उपविजेता मारिन सिलिच ने घुटने की चोट के कारण आस्ट्रेलिया ओपन से नाम वापिस ले लिया है। मेलबर्न में 2018 फाइनल में सिलिच को रोजर फेडरर ने हराया था। सिलिच ने बृहस्पतिवार को ट्वीट किया , 2023 की अच्छी शुरूआत नही। दुखी हूं कि इस साल आस्ट्रेलियाई ओपन नही खेल सकूंगा लेकिन स्वास्थ्य सर्वोपरि है। अगले साल मिलता हूं मेलबर्न। सिलिच ने भारत में महाराष्ट्र ओपन में भी चोट के कारण क्वार्टर फाइनल से पहले नाम वापिस ले लिया था।

प्रणय मलेशिया ओपन क्वार्टर फाइनल में

सात्विक-चिराग की जोड़ी भी जीती

भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी एच एस प्रणय ने गुरूवार को यहां इंडोनेशिया के चिको ओरा द्वि वार्डोयो को हराकर मलेशिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। दुनिया के आठवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय ने एक घंटे चार मिनट तक चला मुकाबला 21- 9, 15 - 21, 21 - 16 से जीता। अब उनका सामना मलेशिया के एनजी जी योंग या जापान के कोडाइ नाराओका से होगा। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की सातवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी ने भी पुरूष युगल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। दुनिया की पांचवीं नंबर की इस भारतीय जोड़ी ने इंडोनेशिया के मोहम्मद शोहिबुल फिकरी और बागस मौलाना को 49 मिनट में 21-19, 22-20 से पराजित किया। इससे पहले राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद को प्री क्वार्टर फाइनल में बुल्गारिया की गैब्रियला स्टोएवा और स्टेफनी स्टोएवा ने हरा दिया। दुनिया में 16वें नंबर की भारतीय जोड़ी को 14वीं रैंकिंग वाली स्टोएवा बहनों ने 21- 13, 15- 21, 21 - 17 से मात दी। प्रणय का चिको से यह दूसरा मुकाबला था जिससे वह सैयद मोदी इंटरनेशनल 2018 में हार चुके थे। प्रणय ने शानदार शुरूआत करके जल्दी ही 7 - 5 से बढ़त बना ली। ब्रेक के समय उनके पास 11- 5 की बढ़त थी। पहला गेम जीतने के बाद दूसरे गेम में प्रणय पर प्रतिद्वंद्वी भारी पड़ा। चिको ने आक्रामक खेल दिखाते हुए प्रणय को गलतियां करने पर मजबूर किया और दूसरा गेम जीत लिया। निर्णायक गेम में प्रणय ने चिको को कोई मौका नहीं दियाा। अपने शानदार रिटर्न और क्रॉसकोर्ट स्मैश के दम पर उन्होंने 17-12 की बढ़त बना ली। बैकलाइन पर एक और शॉट से उन्हें छह मैच प्वाइंट मिले। चिको ने भी दो मैच प्वाइंट बचाए लेकिन अगला नेट में चला गया। वहीं रियो ओलंपिक 2016 और तोक्यो ओलंपिक 2020 खेल चुकी स्टोएवा बहनें त्रिसा और गायत्री पर शुरू ही से भारी पड़ी।

तीन साल तक बिस्तर पर रहने के बाद जिंदगी खत्म करना चाहते थे पूर्व भारतीय बास्केटबॉल कप्तान जगदीप

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय बास्केटबॉल कप्तान जगदीप सिंह बैस पीठ की चोट के कारण तीन साल तक बिस्तर पर पड़े रहे और करियर के लिए खतरा बनी इस चोट से वह इतने परेशान हो गए कि उनके मन में जीवन खत्म करने का विचार भी आया था। चीन में 2012 में थ्री ऑन थ्री टूर्नामेंट के दौरान वह दर्द के कारण कोर्ट पर गिर पड़े थे और इस स्लिप डिस्क के कारण उन्हे तीन साल बिस्तर पर गुजारने पड़े थे। पर 2016 में उन्होंने सर्जरी कराई और अब यह 37 साल का खिलाड़ी नई एलीट प्रो बास्केटबॉल लीग में मुंबई स्टार्स के लिए खेलने के लिए तैयार है। बैस ने गुरुवार को पीटीआई से कहा, यह मेरी जिंदगी का सबसे खराब दौर था, मै हिल डुल भी नही सकता था। दर्द असहनीय था। , मै इतना परेशान हो गया था कि मै अपनी जिंदगी खत्म करना चाहता था क्योंकि मै इस तरह नही रहना चाहता था। राजस्थान के गंगानगर के बैस ने कहा, मेरी तभी शादी हुई थी और मेरी पत्नी मेरे लिए मजबूत बनी रही जिसकी वजह से ही मैने आत्महत्या का विचार त्याग दिया। मेरी जिंदगी उसकी वजह से ही है। सर्जरी के तीन महीने बाद ही उन्होंने वापसी की और वह यूबीए लीग के पहले सत्र में खेले। उन्होंने कहा, उन्होंने (यूबीए लीग) मेरी उबरने में काफी मदद की और मुझे मानसिक व आर्थिक मदद मुहैया कराई। मै उनका शुक्रगुजार हूं।

कैमरोन नौरी ऑकलैंड एटीपी सेमीफाइनल में

ऑकलैंड। कैमरोन नौरी ने गुरुवार को यहां एएसबी क्लासिक एटीपी टूर टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में अमेरिका के मार्कोस गिरोन को 6-1, 6-7, 6-2 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। सेमीफाइनल में नौरी का सामना एक और अमेरिकी खिलाड़ी जेनसन ब्रुक्सबाई से होगा जिन्होंने फ्रांस के क्वेंटिन हेल्स को 7-6, 7-6 से शिकस्त दी। वहीं रिचर्ड गैस्केट ने एक अन्य क्वार्टरफाइनल में डेविड गोफिन को 1-6, 6-1, 6-1 से शिकस्त दी। सेंटर कोर्ट पर हुआ मैच बारिश के कारण ढाई घंटे की देरी से शुरू हुआ। दक्षिण अफ्रीका में जन्मे और ऑकलैंड में बड़े हुए नौरी एटीपी टूर्नामेंट में नियमित दर्शक हुआ करते थे जिसके बाद उनका परिवार ब्रिटेन में बस गया। कोर्ट पर दर्शकों ने उनका तालियों से स्वागत किया। नौरी ने कहा, टूर्नामेंट एक तरह से मेरे लिए दूसरे घर की तरह है। मै यहां बड़ा हुआ हूं और यहां वापस आना अच्छा है।

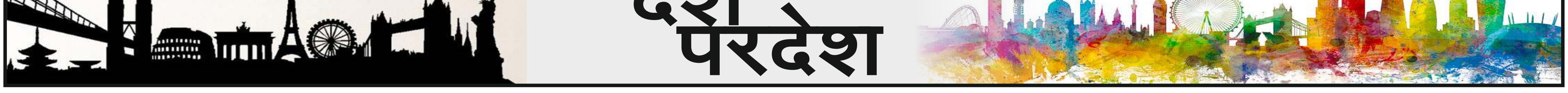

पाकिस्तान:पंजाब विस में मुख्यमंत्री परवेज इलाही ने विश्वास मत किया हासिल

लाहौर। पाकिस्तान की पंजाब विधानसभा में मुख्यमंत्री चौधरी परवेज इलाही ने बुधवार को आधी रात को विश्वास मत हासिल किया। पाकिस्तान मुस्लिम लीग- (नवाज) के पंजाब के गवर्नर बालीगुर रहमान ने विधानसभा भंग होने से रोकने के लिए पिछले महीने मुख्यमंत्री इलाही को विश्वास मत साबित करने को कहा था। इसके बाद उनके आदेश का पालन न करने पर उन्होंने इलाही और उनके मंत्रिमंडल को भंग कर दिया था। हालांकि लाहौर उच्च न्यायालय ने यह फैसला पलट दिया था। अदालत के आदेश के बाद इलाही ने विपक्ष के विरोध के बीच पंजाब विधानसभा से आवश्यक 186 वोट हासिल किए। पंजाब विधानसभा के अध्यक्ष सिब्तैन ने सत्र की अध्यक्षता की और कहा कि मुख्यमंत्री इलाही को विश्वास मत हासिल करने के लिए आवश्यक 186 वोट मिल गए है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) के नेतृत्व में विपक्ष ने सत्र का बहिष्कार किया।

काबुल आतंकी हमले में पांच लोगों की मौत

आईएस ने ली जिम्मेदारी

आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में विदेश मंत्रालय के पास हुए भीषण बम विस्फोट की जिम्मेदारी ली है। इस विस्फोट में कम से कम पांच लोग मारे गए हैं। वर्ष 2023 में काबुल में हुआ यह दूसरा बड़ा हमला है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इस हमले की निंदा की है। चरमपंथी समूह ने बुधवार को हुए हमले के बारे में एक बयान में कहा कि शहादत के इच्छुक उसके सदस्य खैबर अल-कंधारी ने मंत्रालय के कर्मचारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच विस्फोटक से भरी अपनी जैकैट में तब विस्फोट कर दिया जब वे मंत्रालय के मुख्य द्वार से निकल रहे थे। आईएस के दावे के बाद अफगानिस्तान की तालिबान

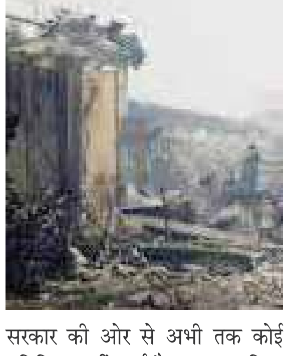

सरकार की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। काबुल पुलिस के मुख्य प्रवक्ता खालिद जादरान ने बुधवार को कहा था कि विस्फोट में पांच लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। आईएस की समाचार इकाई आमाक ने कहा कि हमला राजनयिकों के प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के समय हुआ। चरमपंथियों ने 2021 में अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद से अपने हमले बढ़ा दिए हैं। आईएस के आतंकी अकसर तालिबान के गश्ती दलों और देश के अल्पसंख्यक शिया समुदाय को निशाना बनाते रहते हैं। इस हमले के बाद 40 से अधिक घायल लोगों को काबुल स्थित एक सर्जिकल सेंटर ले जाया गया। यह केंद्र गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) इमरजेंसी द्वारा संचालित है। एनजीओ की अफगानिस्तान इकाई के निदेशक स्टेफ़नो सोज़ा ने आशंका व्यक्त की कि मरने वालों की संख्या में इजाफा हो सकता है। इस हमले की संयुक्त राष्ट्र और विभिन्न देशों ने निंदा की है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा कि हमले में उसका कोई भी नागरिक हताहत नहीं हुआ है क्योंकि ऐसी रिपोर्ट थी कि चीन का एक प्रतिनिधिमंडल विदेश मंत्रालय का दौरा करने वाला था।

माली में विभिन्न हमलों में 14 सैनिक मारे गए

बमाको। माली में इस्लामी चरमपंथियों द्वारा किए गए विभिन्न हमलों में माली के 14 सैनिक मारे गए और लगभग एक दर्जन अन्य घायल हो गए। सेना के जनसंपर्क निदेशक कर्नल सौलेमेन डेम्बेले ने बुधवार को एक बयान में कहा कि मध्य माली में दीया और दिआफराबे गांवों तथा कौमारा और मैकिना कस्बों में कई विस्फोट हुए। उन्होंने बताया कि इन हमलों में 14 सैनिक मारे गए और लगभग एक दर्जन अन्य घायल हो गए। डेम्बेले ने कहा कि इस सप्ताह के शुरू में हुए इन हमलों के दौरान माली की सेना ने 30 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया। पश्चिम अफ्रीकी राष्ट्र एक दशक से अलकायदा और इस्लामिक स्टेट समूह से जुड़ी हिंसा से जूझ रहा है जिसमें हजारों लोग मारे गए हैं।

ईयू अदालत : कोविड मानकों को लकर पर्यटकों को मिल सकता है रिफंड

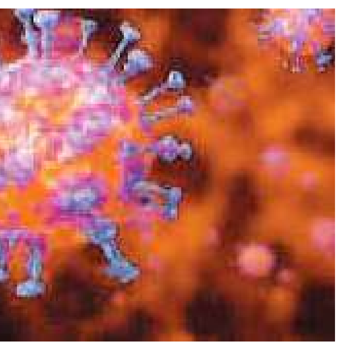

यूरोपीय संघ। (ईयू) की सर्वोच्च अदालत ने बृहस्पतिवार को कहा कि जिन यात्रियों के पैकेज टूर कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए लगाए गए प्रतिबंधों के कारण प्रभावित हुए हैं, वे कम से कम आंशिक रिफंड के हकदार हो सकते हैं। जर्मनी की एक अदालत के अनुरोध पर यूरोपियन कोर्ट ऑफ़ जस्टिस ने अपनी यह राय दी है। म्यूनिख की अदालत उन दो लोगों के मामले पर विचार कर रही है, जिन्होंने 13 मार्च, 2020 से शुरू होने वाले ग्रैन कैनरिया के स्पेनिश द्वीप पर दो सप्ताह के टूर पैकेज खरीदे थे, लेकिन ठीक उसी समय यूरोप में महामारी फैल गई थी। दो दिन बाद ही वहां लगाए गए प्रतिबंधों और तत्पश्चात उनकी जल्द वापसी के कारण वे पैकेज की कीमतों में से 70 प्रतिशत वापस मांग कर रहे हैं। ईयू की अदालत ने कहा कि जब 15 मार्च, 2020 को प्रतिबंध लगाए गए थे तो बीच बंद कर दिए गए थे, कर्फ्यू लगा दिया गया था तथा वादियों को केवल खाना खाने के लिए ही होटल के कमरे से निकलने की अनुमति दी गई थी। उसके बाद 18 मार्च, 2020 को उन्हें कभी भी होटल छोड़ने को तैयार रहने को कहा गया था और दो दिन बाद उन्हें जर्मनी लौटना पड़ा था। टूर ऑपरेटर ने इस आधार पर अनुरोधित कटौती को ठुकरा दिया था कि आम जीवन के जोखिम के लिए उसे जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। जर्मन अदालत को अब यह आकलन करना होगा कि क्या इस मुद्दे से संबंधित विशिष्ट मामले में प्रतिबंध टूर आर्गेनाइजर द्वारा अनुबंध के निष्पादन में विफलता या अनुचित प्रदर्शन के तहत आ सकता है।

बॉलीवुड...

द शहजादा वीक

ट्रेलर से पहले निर्माताओं ने बहुप्रतीक्षित फिल्म के पहले आधिकारिक पोस्टर को लॉन्च किया

पोस्टर में हमारा बंटू अपने रेट्रो सफेद स्कूटर पर डैशिंग लग रहा है। काले चश्मे के साथ नीले रंग की शर्ट ने हमारा दिल चुरा लिया है। पोस्टर के बाद निर्माता 12 जनवरी 2023 को ट्रेलर को लॉन्च करने के लिए तैयार हैं। इसे साल का सबसे यादगार ट्रेलर रिलीज़ बनाते हुए, कृति सेनन के साथ शहजादा भारत के 3 प्रमुख शहरों में इसे लार्जर देन लाइफ उत्सव बनाने जा रहे हैं। ट्रेलर 12 जनवरी को मुंबई में रिलीज़ किया जाएगा, और यह जोड़ी 13 जनवरी को जालंधर में लोहड़ी और 14 जनवरी को कच्छ के रण में मकर संक्रांति मनाएगी। शहजादा का निर्देशन रोहित धवन ने किया है, जिसमें कार्तिक आर्यन, कृति सेनन, मनीषा कोइराला, परेश रावल, रोनित रॉय, सचिन खेडेकर, सनी हिंदुजा और अंकुर राठी ने अभिनय किया है, संगीत प्रीतम ने दिया है, जिसे भूषण कुमार, अल्लू अरविंद और अमन गिल ने निर्मित किया है। यह फिल्म 10 फरवरी 2023 को रिलीज होगी।

शिल्पा शेट्टी

'इंडियन पुलिस फ़ोर्स' के अगले शेड्यूल के लिए हैदराबाद में

शिल्पा शेट्टी इंडियन पुलिस फ़ोर्स की शूटिंग के लिए हैदराबाद रवाना होते हुए एयरपोर्ट पर स्पॉट हुईं। शिल्पा शेट्टी कुछ बुरे लोगों को गोली मारने के लिए पूरी तरह तैयार हैं क्योंकि वह रोहित शेट्टी की इंडियन पुलिस फोर्स में एक पुलिस वाले का किरदार निभाएंगी। अभिनेत्री को आज सुबह हैदराबाद के लिए रवाना होते हुए एयरपोर्ट पर देखा गया। सभी प्रशंसक उन्हें एक पुलिसवाले के अवतार में देखने के लिए उत्साहित हैं । इंडियन पुलिस फोर्स रोहित शेट्टी के पुलिस यूनिवर्स में एक नया जोड़ है जो प्रशंसकों के बीच एक कल्ट रहा है और शिल्पा शेट्टी रोहित शेट्टी के पुलिस यूनिवर्स में पहली महिला पुलिस अधिकारी के रूप में बिल्कुल फिट बैठती हैं। वह सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। शिल्पा का फर्स्ट लुक पोस्टर पिछले साल रिलीज हुआ था। अभिनेत्री अपने ओटीटी डेब्यू को लेकर बहुत उत्साहित हैं, और प्रशंसक भी उन्हें कुछ दमदार एक्शन करते हुए देखने के लिए उत्साहित हैं। अभिनेत्री फिल्म सुखी का भी हिस्सा होंगी, जो इस साल रिलीज होगी।

प्रियंका चोपड़ा

ने वास्तव में पिकाडिली सर्कस हॉट स्पॉट को चमका दिया है

अंतर्राष्ट्रीय आइकन प्रियंका चोपड़ा जोनास ने लंदन में मैक्स फैक्टर एक्स प्रियंका कलर कलेक्शन के नए अभियान लॉन्च से पहले पिकाडिली सर्कस में बिलबोर्ड स्क्रीन पर छाई हुई है। अभिनेत्री-निर्माता-उद्यमी, जो संग्रह को लॉन्च करने के लिए लंदन का दौरा कर रही हैं, प्रियंका ने वास्तव में पिकाडिली सर्कस हॉट स्पॉट को चमका दिया है क्योंकि अभियान को देखने के लिए हजारों प्रशंसक एकत्र हुए थे।

प्रियंका चोपड़ा जोनास, जो अकेले ही एशियाई प्रतिनिधित्व को आगे बढ़ा रही हैं, प्रियंका ने हमेशा अपने काम के हिस्से के रूप में सभी कंटेंट के साथ वैश्विक मानचित्र पर अपनी जड़ें जमा ली है।

आम्रपाली

ने अपनी बर्थडे पार्टी में पहन ली ऐसी ड्रेस

भोजपुरी अभिनेत्री आम्रपाली दुबे का 11 जनवरी को जन्मदिन था। अपने जन्मदिन को आम्रपाली दुबे ने बेहद ही खास तरीके से मनाया। जन्मदिन पर सोशल मीडिया पर हर तरफ आम्रपाली दुबे के ही चर्चे थे। अब उन्होंने एक बार फिर महफिल लूटने का काम किया है। दरअसल, आम्रपाली ने बीती रात धूमधाम से अपने जन्मदिन की पार्टी की। अब उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने बर्थडे पार्टी की कुछ तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में आम्रपाली का बेहद ही हॉट अंदाज देखने को मिल रहा है। आम्रपाली दुबे की इन तस्वीरों को देखने के बाद लग रहा है कि वह अपना बर्थडे सरप्राइज देखकर काफी चौंक गई थीं। आम्रपाली ने अपने जन्मदिन की पार्टी वाली अपनी तीन तस्वीरें फैंस के साथ साझा की हैं। इन तस्वीरों में आम्रपाली फोन पर व्यस्त नजर आ रही हैं, लेकिन उनके हॉट लुक ने सभी का ध्यान खींच लिया। तस्वीर में आम्रपाली दुबे के चेहरे पर अलग तरह की खुशी दिखाई दे रही है। फैंस आम्रपाली की इन तस्वीरों पर खूब प्यार बरसा रहे हैं। आम्रपाली के बर्थडे पार्टी लुक के बारे में बात करें तो अभिनेत्री काले रंग की हाई थाई स्लिट शिमरी गाउन पहने नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में वह बला की खूबसूरत लग रही हैं।

राजकुमार संतोषी लेकर आए बड़ा ट्विस्ट

गांधी गोडसे का ट्रेलर रिलीज

निर्देशक राजकुमार संतोषी की आने वाली फिल्म गांधी गोडसे : एक युद्ध का ट्रेलर बुधवार को रिलीज कर दिया गया। ट्रेलर भारत के विभाजन के बाद के समय की एक शक्तिशाली अंतर्दृष्टि देता है जब सांप्रदायिक दंगों ने एक नवोदित राष्ट्र को अपने घुटनों पर ला दिया था। फिल्म हमें एक समानांतर ब्रह्मांड भी देती है जहां महात्मा गांधी नाथूराम गोडसे की गोलियों से बच गए थे और नाथूराम गोडसे को कैसे महात्मा गांधी बदलने की कोशिश करते हैं जिसने उनकी हत्या करने का प्रयास किया था। दोनों के बीच हिंसा और अहिंसा को लेकर संवाद दिखाया गया।

ट्रेलर में दिखाया गया है कि नाथूराम गोडसे और महात्मा गांधी की भूमिकाएँ अभिनेता चिन्मय मंडलेकर और दीपक अंतानी ने निभाई हैं और समानता अलौकिक है। इसके बाद विचारधाराओं और विश्वासों के बीच टकराव होता है। ट्रेलर हमें उन पुरुषों से भी परिचित कराता है जिन्होंने इतिहास लिखा- जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल और बीआर अंबेडकर।

अहिंसा बनाम हिंसा

गांधी गोडसे ने अनुज सैनी और राजकुमार संतोषी की बेटी तनीषा के अभिनय की शुरुआत की। ट्रेलर में दिखाया गया है कि महात्मा गांधी, जिन्होंने हमेशा शांति और अहिंसा का प्रचार किया, एक क्रोधित और प्रतिशोधी गोडसे से कैसे मिलते हैं, कभी उनके द्वारा गोली मारे जाने के बाद तो कभी उनसे जेल के अंदर जाकर।

घायल, दामिनी, घातक और अंदाज़ अपना अपना जैसी सुपरहिट फिल्मों के निर्देशन के लिए जाने जाने वाले राजकुमार नौ साल बाद अपने निर्देशन के साथ सिनेमाघरों में वापसी कर रहे हैं। उनकी आखिरी निर्देशित 2013 की फिल्म फटा पोस्टर निकला हीरो थी जिसमें शाहिद कपूर और इलियाना डीक्रूज ने अभिनय किया था।

बायोपिक ...

हर्षवर्धन कपूर

ने अभिनव बिंद्रा की बायोपिक की शूटिंग शुरू कर दी है?

हर्षवर्धन कपूर बी-टाउन के एक होनहार रचनात्मक अभिनेता हैं। उनकी रचनात्मक परियोजनाएँ मुख्यधारा के सिनेमा से बहुत दूर हैं और दर्शकों की नज़र उनके अगले प्रोजेक्ट पर है। अभिनव बिंद्रा के साथ हाल ही में उनके प्रशंसकों को यह जानने की उत्सुकता थी कि ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता की बायोपिक कार्ड पर है या नहीं। अभिनेता को ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता के साथ समय बिताते देखा गया और उनकी यात्रा के बारे में और अधिक पढ़ते हुए भी देखा गया। फैंस यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि क्या वह बड़े पर्दे पर इतना बेहतरीन किरदार निभाने के लिए खुद को प्रशिक्षित कर रहे हैं। यह अटकल दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बन रही है। अगर यह खबर सच है, तो वह पहली बार वास्तविक जीवन का किरदार निभाएंगे और खुद को पूरी तरह से बदल लेंगे। अभिनेता का अपनी फिल्म थार के साथ 2022 शानदार रहा। इस रिवेंज थ्रिलर फिल्म में उन्होंने बेहतरीन परफॉर्मेंस दी। उनके उल्लेखनीय अभिनय को दर्शकों और आलोचकों दोनों ने सराहा। फैंस अब उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर एक्साइटेड हैं।

नोटिस...

सेल्स टैक्स विभाग के नोटिस को

अनुष्का शर्मा

ने दी चुनौती

बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दर्ज

अभिनेत्री अनुष्का शर्मा एक बार फिर चर्चा में हैं। लेकिन इस बार इसका कारण फिल्मी नहीं बल्कि लीगल है। बता दें कि अभिनेत्री ने बॉम्बे हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की है। अनुष्का ने साल 2012-13 और 2013-2014 के टैक्स की वसूली के लिए सेल्स टैक्स डिपार्टमेंट के नोटिस को चुनौती दी है। मामले की सुनवाई 6 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दी गई है। कोर्ट ने सेल टैक्स विभाग को तीन हफ्ते में याचिका पर जवाब देने के लिए कहा है। बता दें कि कोर्ट ने इस मामले में पिछली सुनवाई में अनुष्का शर्मा को फटकार लगाई थी। कोर्ट ने कहा था कि उन्होंने कभी टैक्स कंसल्टेंट के जरिये याचिका दायर करने के मामले को न सुना है और न ही देखा है। कोर्ट ने अनुष्का शर्मा के वकील से पूछा कि एक्ट्रेस खुद क्यों याचिका दायर नहीं कर सकतीं। कोर्ट की फटकार के बाद एक्ट्रेस ने वकील के जरिये दायर हुई याचिकाओं को वापस ले लिया है और खुद नई याचिका दायर की है। अनुष्का ने याचिका में कहा है कि वे किसी भी उत्पाद के प्रचार या समारोह में हिस्सा अपने एजेंट, यशराज फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड और निर्माता अथवा कार्यक्रम के आयोजकों के साथ एक त्रिपक्षीय समझौते के तहत एक कलाकार की हैसियत से लेती हैं। जबकि असाइनिंग अधिकारी ने बिक्री कर फिल्म पर नहीं बल्कि उत्पाद के प्रचार और पुरस्कार समारोह में एंकरिंग पर लगाया था। एक्ट्रेस ने अपील में कहा है कि टैक्स डिपार्टमेंट ने मान लिया है कि उन्होंने अपने परफॉर्मिंग राइट्स ट्रांसफर कर दिए हैं। सेल्स टैक्स डिपार्टमेंट ने 2012-13 के लिए 12.3 करोड़ रुपये पर 1.2 करोड़ रुपये ब्याज सहित बिक्री कर, जबकि वर्ष 2013-14 के लिए लगभग 17 करोड़ रुपये पर 1.6 करोड़ रुपये बिक्री कर तय किया है।

अभिनेत्री ने अपनी याचिका में कहा है कि किसी भी फिल्म अथवा वीडियो के कॉपीराइट हमेशा उसके क्रिएटर या निर्माता के पास रहते हैं। याचिकाकर्ता ने कहा कि जब उनके पास कॉपीराइट थे ही नहीं तब वो उनको किसी को भी ट्रांसफर कैसे कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि अगर उन्होंने ऐसा किया है तो विभाग को बताना चाहिए कि उन्होंने ऐसा किसके लिए किया है?बता दें कि अनुष्का शर्मा को पीके और रब ने बना दी जोड़ी जैसी सुपरहिट फिल्मों के कारण जाना जाता है।

अंजलि चौधरी बनीं मिसेज इंडिया यूनिवर्स

हर किसी का ख्वाब होता है की वह अपने जीवन के किसी भी सपने को साकार कर सके। बात जब महिलाओं की होती है, तो हर महिला चाहती है कि उसकी प्रतिभा, उसकी शख्सियत, उसकी जुनून और उसकी क्षमता को पूरी दुनिया देख सके। राजधानी दिल्ली में आयोजित डेजल मिसेज यूनिवर्स में प्रतियोगी महिलाओं को अपना ऐसा ही एक सपना साकार करने का अवसर मिला।

दिल्ली के पश्चिम विहार में आयोजित इस प्रतियोगिता में नाशिक की अंजलि चौधरी ने डेजल मिसेज इंडिया का ताज अपने नाम कर लिया। जबकि उप विजेता का ताज असम की पूजा वर्मा के नाम रहा। एलीट श्रेणी में फरीदाबाद की डॉ पारुल महाजन विजेता बनी तो दिल्ली की मधुबाला सिंह उप विजेता चुनी गई। मिस श्रेणी में दिल्ली की ही पारुल सिंह डीजल मिस इंडिया यूनिवर्स चुनी गई। इसी के साथ 2023 में विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व करने वाली चार प्रतियोगियों की क्राउन सेरेमनी भी की गई। इसमें अर्चना सेफर को चेरेटी इंडिया यूनिवर्स और मिसेज एशिया यूनिवर्स के ताज से नवाजा गया। महाराष्ट्र के जीएसटी विभाग की उपायुक्त मंजिरी फनसालकर को मिसेज यूएन एशिया यूनिवर्स, महाराष्ट्र की रेडियोलॉजिस्ट डॉ राजश्री पवार ढोके को मिसेज एशिया पेसेफिक यूनिवर्स और वृशाली आमिया शाह को मिसेज वेस्ट पेसेफिक एशिया का ताज पहनाया गया।

प्रतियोगिता की आयोजक परीसा कम्यूनिकेशन की निदेशक तबस्सुम हक़ ने बताया कि ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस के लिए आयोजित इस प्रतियोगिता के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से 23 महिलाओं का चयन किया गया था। जिन्हें दिल्ली के लाइफ कोच प्रशासनिक सेवा अधिकारी संजीव पांडेय, धर्मशीला हॉस्पिटल की ओंकोलॉजिस्ट डॉ कनिका शर्मा सूद, चेन्नई की डॉ दीपा मुखुन्दन, भोपाल की शिक्षाविद डॉ रीनू यादव ने प्रशिक्षित किया।

जबकि कोरियोग्राफी का प्रशिक्षण चेन्नई की गायत्री जगनमोहन ने दिया। फिनाले के दिन सभी प्रतियोगियों को स्टार हेयर एंड मेकअप एकेडमी के कलाकारों ने तैयार किया।

क्यूरेटेड तकनीकी प्रदर्शनियों का दौरा

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

अधिक से अधिक निर्माता, सेवा प्रदाता और सामग्री आपूर्तिकर्ता उद्योग में हाल के रुझानों की नवीनता और प्रगति को प्रदर्शित करने के लिए सहयोग कर रहे हैं और प्रदर्शनियों की स्थापना कर रहे हैं। इन प्रदर्शनियों को विज्ञापित, और काम करने वाले पेशेवरों, सलाहकारों, टर्नकी ठेकेदारों, ग्राहकों, मालिकों और उन सभी के लिए खोला जाता है, जो अपनी परियोजनाओं में इनके उपयोग से जुड़े हैं। हितधारक भागीदारी उद्योग को बाजार से मूल्यवान मांग आधार प्रदर्शित करने और बनाने में मदद करती है।

विशेष रूप से इंटर्नशिप और प्लेसमेंट से पहले सेमेस्टर में तकनीकी कार्यक्रम और छात्रों को प्रशिक्षण देने वाले संस्थानों को ऐसे कार्यक्रमों में भागीदारी सुनिश्चित करके विशेष रुचि लेनी चाहिए। इस तरह की रीच आउट गतिविधियों में भाग लेने वाले छात्र पेशे की चुनौतियों के लिए जागरूक और तैयार पाए जाते हैं। उद्योग सहयोग वाली प्रदर्शनियां विशिष्ट विषयों पर

छात्र और पेशेवर प्रतियोगिताओं को भी उत्पन्न करती हैं, जो नवीन तकनीकों, उत्पादों और सेवाओं के साथ प्रयोग करने का अवसर उत्पन्न करती हैं।

हम अत्यधिक वैश्वीकृत वातावरण में रह रहे हैं और इस प्रकार उच्च और तकनीकी प्रकृति के संस्थानों को अपने सुविधा क्षेत्र से बाहर निकलने और उद्योग संस्थान के साथ-साथ एक सहजीवी संबंध में सह-अस्तित्व के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की आवश्यकता है। प्रदर्शनियां तकनीकी सत्रों और विशेषज्ञ वार्ताओं का एक बड़ा मिश्रण हैं, जो उद्योग की चुनौतियों और भविष्य की नौकरी की जिम्मेदारियों की दिशा में अंतर्दृष्टि प्रदान करती हैं। प्रदर्शनियों में आने वाले कई हितधारक हाल के रुझानों से खुद को अपडेट करते हैं और उम्मीद करते हैं कि पेशेवर अपडेटेड मार्केट सॉल्यूशंस मुहैया कराएंगे। तकनीकी कार्यक्रमों के छात्रों के लिए ऐसी प्रदर्शनियों के दौरे से प्राप्त एक्सपोजर से प्लेसमेंट के क्षेत्र में उनकी स्थिति में सुधार होता है और साथ ही उन्हें उद्यमशीलता की शुरुआत करने के लिए तैयार किया जाता है।

उद्योग की तैयारी के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति का वर्तमान जोर तकनीकी संस्थानों के स्नातकों को बाजार के लिए तैयार ज्ञान से लैस करने की अपेक्षा करता है। आने वाले समय में रोजगार योग्य और योग्य नहीं के बीच का अंतर इन मूल्यों पर निर्भर करेगा।

बजट सत्र से पहले केंद्रीय मंत्रिमंडल विस्तार संभव, पीएम मोदी की अगुवाई में घंटों चली बैठक

इस महीने के अंतिम सप्ताह में शुरू हो रहे संसद के बजट सत्र से पहले केंद्रीय मंत्रिमंडल का विस्तार हो सकता है। विस्तार को अंजाम देने की विमर्श की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। गृह मंत्री अमित शाह की कुछ सहयोगी दलों के नेताओं से मुलाकात के बाद 8 जनवरी की रात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में मैराथन बैठक हुई। कई घंटे चली इस बैठक में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और संगठन महासचिव बीएल संतोष ने हिस्सा लिया। सूत्रों का कहना है कि आगामी लोकसभा चुनाव की मजबूत तैयारी के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल ही नहीं राज्यों और केंद्रीय संगठन में भी अहम बदलाव होंगे। बदलाव की यह प्रक्रिया केंद्रीय मंत्रिमंडल विस्तार से शुरू होगी।

इससे पहले नड्डा के कार्यकाल को एक साल का विस्तार दिया जाएगा। केंद्रीय मंत्रिमंडल में विस्तार के बाद राज्यों के संगठन में बदलाव, जरूरी नेतृत्व परिवर्तन और केंद्रीय संगठन में अहम बदलावों पर मुहर लगेगी। योजना 15 फरवरी तक हर तरह के बदलाव को अमलीजामा पहनाने की है।

अंतिम विस्तार इसलिए बड़ा मंथन

लोकसभा चुनाव से पूर्व मोदी मंत्रिमंडल का यह अंतिम विस्तार होगा। यही कारण है कि इसके लिए व्यापक स्तर पर मंथन किया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि विस्तार के जरिए राज्यों के समीकरण साधने के लिए बड़े बदलाव किए जाएंगे। इसके जरिए राज्यों के सियासी, सामाजिक समीकरण साधे जाएंगे। संभवतः भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के बाद एक बार फिर से शीर्ष स्तर पर विमर्श की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

सहयोगियों का रखा जाएगा ध्यान

मंत्रिमंडल विस्तार में इस बार सहयोगियों का खास ख्याल रखा जाएगा। दरअसल मोदी सरकार और भाजपा इस धारणा को खत्म करना चाहती है कि उसका रुख सहयोगी दल विरोधी है। जदयू, अकाली दल के राजग छोड़ने, शिवसेना में बिखराव के कारण भाजपा पर इस आशय के आरोप लगते रहे हैं। ऐसे में विस्तार में सहयोगियों के लिए बेहतर संभावना उपलब्ध कराए जाने के आसार हैं।

चिराग, आरसीपी का मंत्री बनना तय

सूत्रों का कहना है कि बिहार में सियासी समीकरण साधने के लिए चिराग पासवान को मंत्रिमंडल में जगह दी जाएगी। नीतीश के करीबियों में शुमार रहे आरसीपी सिंह को मंत्री बनाए जाने की चर्चा है। इसके अलावा शिवसेना के साथ आए धड़े से एक कैबिनेट और एक राज्य मंत्री बनाए जाने और पहले से मंत्रिमंडल में शामिल कुछ सहयोगियों की पदोन्नति के भी आसार हैं।

31 से 6 अप्रैल तक बजट सत्र, होंगी 27 बैठकें

संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बताया कि संसद सत्र का पहला हिस्सा 31 जनवरी से 13 फरवरी और दूसरा हिस्सा 13 मार्च से 6 अप्रैल तक चलेगा। पहले हिस्से में एक फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बजट पेश करेंगी। उसके बाद राष्ट्रपति के धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होगी। जबकि दूसरे हिस्से में आम बजट पर चर्चा का वित्तमंत्री जवाब देंगी और धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देंगे। पूरे सत्र में 27 बैठकें होंगी। पुराने संसद भवन में ही सत्र नए संसद भवन का काम लगभग पूरा हो गया है, लेकिन बजट सत्र पुराने भवन में ही होने के आसार हैं। बीते शीतकालीन सत्र से ही नए संसद भवन में सत्र आयोजित करने की तैयारी थी। हालांकि नए संसद भवन का काम पूरा नहीं होने के कारण इसे टाल दिया गया था। बजट पर मंथन का सिलसिला जारी

आम बजट पर वित्त मंत्री की ओर से मंथन का सिलसिला जारी है। हर बार की तरह इस आम बजट में उनका जोर राजकोषीय घाटे से निपटने के साथ विकास की गति बनाए रखने पर होगी।

बर्फबारी के चलते श्रीनगर हवाई अड्डे पर कई उड़ानें रद्द

श्रीनगर।कश्मीर घाटी में शुक्रवार को बर्फबारी के कारण कई उड़ानें रद्द की गईं, जिसके कारण कश्मीर से आने-जाने वाले यात्रियों को भारी परेशानी हुई। अधिकारियों ने यहां यह जानकारी दी। ताजा हिमपात सुबह शुरू हुआ और खबर लिखे जाने तक जारी रहा। जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में जहां मध्यम से भारी बर्फबारी हुई, वहीं मैदानी इलाकों में हल्की से मध्यम बर्फबारी हुई। श्रीनगर हवाई अड्डे के निदेशक कुलदीप सिंह ने पीटीआई-भाषा से कहा, लगातार हो रही बर्फबारी और कम दृश्यता के कारण श्रीनगर हवाई अड्डे पर अगले आदेश तक उड़ान परिचालन निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि सुबह उड़ानें संचालित हुईं, लेकिन कम दृश्यता और बर्फबारी के कारण सुबह 10 बजे के बाद इन्हें निलंबित करना पड़ा। सिंह ने कहा कि खराब मौसम के कारण एअर इंडिया, एयर एशिया, इंडिगो, स्पाइस जेट और विस्तारा सहित अधिकांश एयरलाइन ने शुक्रवार की अपनी सभी शेष उड़ानें रद्द कर दी हैं।

फेसबुक पर ठगी का शिकार हुई महिला, जालसाज ने 22 लाख हड़पे

महाराष्ट्र के ठाणे में एक 36 वर्षीय महिला के साथ 22.67 लाख की ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया, महिला से यह ठगी एक फेसबुक फ्रेंड ने की। घटना के संबंध में मामला दर्ज किया गया है। जानकारी के मुताबिक, ठगी की शिकार महिला को एक शख्स ने फरवरी, 2022 में फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी थी। इसके बाद दोनों के बीच नियमित रूप से चैटिंग शुरू हो गई। पुलिस ने बताया, एक दिन व्यक्ति ने महिला से अपनी मां के इलाज के लिए पैसे मांगे। धीरे-धीरे करके महिला ने उसे 7,25,000 रुपये भेजे और 15,42,688

रुपये के आभूषण भी दिए। महिला ने बताया, जब उसने पैसे वापस मांगे तो व्यक्ति आनाकानी करने लगा, जिसके पास उसने पुलिस से संपर्क किया। ऑनलाइन जॉब स्कैम का शिकार हुई महिला ठाणे में रहने वाली एक 26 वर्षीय महिला ऑनलाइन जॉब स्कैम का शिकार हो गई। पुलिस ने बताया, जालसाज ने महिला को नौकरी का झांसा देकर पांच लाख रुपये ठग लिए। महिला ने पुलिस को बताया कि उसने चार जनवरी को अपने इंस्टाग्राम पेज पर नौकरी का विज्ञापन देखा। जब उसने वेबसाइट पर नौकरी के बारे जांच शुरू की तो महिला से पहले कुछ शुरुआती भुगतानों की मांग की गई। इसके बाद महिला ने अगले छह दिनों में जालसाज को 5,38,173 रुपये का भुगतान किया। हालांकि, जब दिए गए नंबरों पर महिला ने संपर्क करने की कोशिश की तो कोई जवाब नहीं मिला।

तमिलनाडु के राज्यपाल सूट-बूट वाले कोश्यारी, ठाकरे सरकार में पापड़ की तरह तड़तड़ाते थे...बोले राउत

तमिलनाडु में स्टालिन बनाम राज्यपाल रवि विवाद अब राष्ट्रपति तक पहुंच गया है। इस बीच राज्यसभा सांसद संजय राउत ने शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' में तंज कसा है।

उन्होंने कहा है कि देश के आधा दर्जन राज्यों में सरकार बनाम राज्यपाल का टकराव बढ़ गया है और यह सभी गैर-भाजपा शासित राज्य हैं। उन्होंने आगे कहा कि राजभवनों को भाजपा के लोगों ने अपना कार्यालय बना लिया है और वे सरकार पर नियंत्रण रखने की कोशिश कर रहे हैं।

सामना में उन्होंने कहा, तमिलनाडु में भी राज्यपाल विरुद्ध सरकार का संघर्ष छिड़ा हुआ है। जो महाराष्ट्र में चल रहा है, वही दूसरे रूप में तमिलनाडु में दिखाई दे रहा है। फर्क सिर्फ इतना है कि महाराष्ट्र में राज्यपाल द्वारा छत्रपति शिवाजी का अपमान किए जाने के बाद भी सरकार व मुख्यमंत्री चुप्पी साधे हुए हैं, लेकिन तमिलनाडु में राज्यपाल द्वारा रामासामी पेरियार, डॉ. आंबेडकर, करुणानिधि जैसे महापुरुषों का अपमान करते ही मुख्यमंत्री स्टालिन ने विधानसभा में ही राज्यपाल के सामने स्वाभिमानी तेवर दिखाया, वह काबिलेतारीफ है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने राज्यपाल से संघर्ष किया और तमिल अस्मिता के लिए केंद्र से पंगा भी ले लिया। पापड़ की तरह तड़तड़ाते थे महाराष्ट्र के राज्यपाल राउत ने आगे कहा, तमिलनाडु के राज्यपाल रवि सूट-बूट वाले भगतसिंह कोश्यारी हैं। महाराष्ट्र में 'ठाकरे सरकार' के समय मौजूदा राज्यपाल खौलते तेल में पापड़ की तरह तड़तड़ाते थे। सरकार के कई फैसलों पर आपत्ति जताते हुए मुख्यमंत्री को पत्र के माध्यम से मार्गदर्शन करते थे। सरकारी फैसलों और सिफारिशों को टाल देते थे।

जमीन के बदले नौकरी घोटाले में लालू के खिलाफ चलेगा मुकदमा

केंद्र सरकार ने केंद्रीय जांच ब्यूरो को जमीन के बदले नौकरी देने के मामले में लालू प्रसाद यादव के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दे दी है। यह मामला 2004 से 2009 के दौरान का है जब लालू प्रसाद रेल मंत्री थे। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को सीबीआई ने विशेष अदालत को केंद्र से मंजूरी मिलने की जानकारी दे दी। विशेष अदालत एजेंसी की तरफ से दायर आरोपपत्र का तभी संज्ञान लेती है जब उसे (एजेंसी को) सक्षम प्राधिकारी से मुकदमा चलाने की मंजूरी मिल जाती है। सीबीआई ने पिछले साल 7 अक्तूबर को यादव, उनकी पत्नी राबरी देवी और 14 अन्य के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था, जो उनके परिवार को उपहार में गई या बेची गई जमीन के बदले रेलवे में की गई नियुक्तियों के संबंध में थी। लेकिन

अदालत ने इसका संज्ञान नहीं लिया था। आरोपपत्र में लालू प्रसाद की बेटी मीसा भारती, सेंट्रल रेलवे की पूर्व महाप्रबंधक सौम्या राघवन और रेलवे के पूर्व सीपीओ कमल दीप के नाम भी हैं।

81 डॉक्टर सेवा से बर्खास्त

नीतीश सरकार ने 81 भगोड़े डॉक्टरों को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। शुक्रवार को कैबिनेट की बैठक में यह निर्णय किया गया। मंत्रिमंडल सचिवालय के अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ ने बताया कि बैठक में कुल 41 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। उन्होंने बताया कि बर्खास्त चिकित्सकों में 64 ऐसे हैं जो पांच वर्षों से अधिक समय से ड्यूटी से गायब हैं। उन्होंने बताया कि बैठक में बीएन मंडल विश्वविद्यालय और पटना विश्वविद्यालय के विधि महाविद्यालयों के लिए 189 पदों के सृजन को भी स्वीकृति दी गई। इसके अलावा दरभंगा, मोतिहारी कोर्ट, मझौलिया बेतिया रेलवे स्टेशन के बीच आरओबी निर्माण का निर्णय किया गया। इसके लिए 139.48 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं।

राहुल, अमित शाह सहित कई नेताओं ने शरद यादव को श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली।दलगत राजनीति से ऊपर उठकर शीर्ष राजनीतिक नेता शुक्रवार को दिल्ली के छतरपुर स्थित पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद यादव के आवास पर पहुंचे और समाजवादी दिग्गज के अंतिम दर्शन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।वरिष्ठ नेता और जनता दल (यूनाइटेड) के पूर्व अध्यक्ष शरद यादव का बृहस्पतिवार को गुरुग्राम के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। यादव 75 वर्ष के थे। पूर्व केंद्रीय मंत्री यादव के परिवार में उनकी पत्नी, एक पुत्री और एक पुत्र हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी सहित कई नेताओं ने शरद यादव को उनके आवास पर श्रद्धांजलि दी।

अफगानिस्तान की कौंसल जनरल जकिया वारदक, कोरिया के कौंसल जनरल एवं डॉ. चंदर कला सिंह

स्वयं प्रभा देवी मोहिते पाटील, दर्शना भीमरावजी अम्बेडकर, डॉ. चंदर कला सिंह, डॉ भीमराव यशवंत आंबेडकर

शुन्य से शिखर फाउंडेशन ने मुंबई में आयोजित किया प्रथम सम्मान समारोहः समाज के असली हीरो को किया पुरस्कृत

सीताराम मेवाती / विशेष संवाददाता, मुंबई तरंग

शुन्य से शिखर फाउंडेशन ने अपने प्रथम पुरस्कार सम्मान समारोह का आयोजन मुंबई में किया. इस समारोह में देश की ऐसी महिलाएं और व्यक्तियों का सम्मान किया गया जिन्होंने अपने सफ़र की शुरुआत शुन्य से की. आगे चल कर ये हस्तियाँ शिखर तक पहुंची और देश में अपना नाम रोशन किया. इस कार्यक्रम का आयोजन सावित्री देवी फूले की जयंती के दिन आयोजित किया गया था. इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दर्शना भीमरावजी अम्बेडकर जो की भारत रत्न डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर की पर पतोहू हैं, मुंबई में अफ़ग़ानिस्तान की कौंसल जनरल महामहिम ज़किया वारदक, मुंबई में कोरिया के कौंसल जनरल एवं स्वयंप्रभा देवी मोहिते पाटिल सम्मिलित हुए. इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्र से आई हुई महिलाएं जिन्होंने आसमान की बुलंदियों को छुआ है उपस्थित रहीं. कई महिलाएं ऐसी थी जो की अपंग थीं लेकिन समाज के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया. यह समारोह मुंबई के अंधेरी में स्थित अखिल भारतीय स्थानीय स्वराज संस्थान के सभागृह में आयोजित किया गया था. इस समारोह में विजेताओं के अलावा सैकड़ों दर्शक भी उपस्थित रहे. ज्ञात हो की डॉ. चंदर कला सिंह शुन्य से शिखर फाउंडेशन की संस्थापक निदेशक हैं और विश्व की कई ख्याति प्राप्त संस्थाओं से जुडी हुई हैं. डॉ. चंदर कला सिंह को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए मनोनीत भी किया गया है और अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की सद्भावना दूत और विश्व संसद ब्रांड यूएसए की एंबेसडर भी हैं. इसके अलावा वो बॉलीवुड गायक भी हैं और उन्होंने भारतीय संविधान के गीत को गाया भी है. फाउंडेशन ने शेख़ चाँद पाशा को सम्मानित किया जो की हैदराबाद से आये थे. शेख पाशा ने भारतीय मूल के लोग जो विदेशों संकट में थे उनकी सहायता पहुंचाई . लगभग छः लाख प्रभावित लोगों को बिना सरकारी सहायता से देश वापस लाये. इसके अलावा फाउंडेशन ने सुनील कुमार जोधा को भी सम्मानित किया जो की कमांडो थे और मुंबई की ताज महल होटल में आतंकी हमले में नौ गोलियों को अपने सीने पर झेला था.

डॉ. चंदर कला सिंह शुन्य से शिखर फाउंडेशन की संस्थापक निदेशक ने बताया की इस सम्मान समारोह के आयोजन का हेतु सिर्फ यही था की हम उन हस्तियों को देश के सामने लायें जो रियल हीरो हैं. यहाँ पर ऐसी हस्तियाँ उपस्थित हुई हैं जिन्होंने बिना किसी की अर्थ सहायता के, अपनी जेब से पैसे खर्च करके निस्वार्थ भाव से जनता की सहायता की. आने वाले समय में हमारा यही प्रयास रहेगा जिससे आम लोग के लिए फायदे में रहें.

श्रीलंका में भारत का ऐतिहासिक कदम, साबरागमुवा विश्वविद्यालय में की हिंदी निकाय की स्थापना

हिंदी भाषा पढ़ाने के लिए भारत से प्रोफेसरों की प्रतिनियुक्ति का मार्ग प्रशस्त

सीताराम मेवाती / विशेष संवाददाता, मुंबई तरंग

भारत की राष्ट्रभाषा हिंदी ने समुद्र पार देश श्रीलंका में अपने पैर पसारने की प्रक्रिया में एक सक्षम कदम बढ़ाया है. श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त श्री गोपाल बागले ने 1 जनवरी 2023 को श्रीलंका के बेलिहु लोया में स्थित साबरागमुवा विश्वविद्यालय में अपने प्रथम दौरा किया। अपनी इस यात्रा के दौरान एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्राध्यापक आर.एम.यू.एस.के. रत्नायके के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस ज्ञापन हस्ताक्षर पश्चात, श्रीलंका विश्वविद्यालय में हिंदी भाषा के आईसीसीआर चेयर की स्थापना हुई है। श्रीलंका स्थित भारतीय उच्चायुक्त के इस निर्णायक कदम से समुद्रपारीय देश श्रीलंका में एक नए अध्याय की शुरुआत हुई है और हिंदी भाषा पाठ्यक्रम पढ़ाने के लिए भारत से प्रोफेसरों की प्रतिनियुक्ति का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

इस कार्यक्रम के दौरान उच्चायुक्त ने नव-स्थापित आईसीसीआर हिंदी चेयर के तहत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले

छात्र के लिए उच्चायुक्त के स्वर्ण पदक की भी घोषणा की। इसी के साथ उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय सहायक उच्चायोग, कैंडी के सहयोग से आयोजित हिंदी कविता प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया।

भारतीय उच्चायुक्त सामाजिक विज्ञान और भाषा संकाय (एस यू एस एल) द्वारा आयोजित सामाजिक विज्ञान और भाषाओं पर पहले अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भी मुख्य अतिथि थे। ज्ञात हो कि सामाजिक विज्ञान और भाषा आई सी एस एस एल शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, छात्रों और पेशेवरों के लिए सामाजिक विज्ञान और भाषा डोमेन में अपने शोध निष्कर्ष प्रस्तुत करने के लिए एक खुला मंच है। इस अवसर पर उच्चायुक्त और कुलपति ने संयुक्त रूप से पहले आईसीएसएसआर के ऑनलाइन पोर्टल का शुभारंभ किया।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय उच्चायुक्त ने अपनी टिप्पणी में स्थिरता और सतत विकास लक्ष्यों में भारत की उपलब्धियों को सूचीबद्ध किया। अपनी टिपणी में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का हवाला देते हुए, उन्होंने रेखांकित किया कि पुनः उपयोग, रीसायकल, री-डिज़ाइन, रीमैन्यूफैक्चर आदि जैसे स्थिरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम भारत के सांस्कृतिक लोकाचार का हिस्सा रहे हैं। इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि श्रीलंका में प्रचुर मात्रा में अक्षय ऊर्जा क्षमता है, उन्होंने उल्लेख किया कि

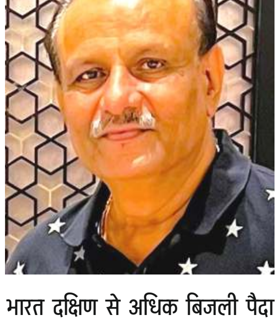

भारत दक्षिण से अधिक बिजली पैदा करने के लिए श्रीलंका में निवेश करना जारी रखेगा।

भारत की तरफ से श्रीलंका को अनेकों प्रकार की सहायता प्रदान की जाती है और यहाँ, यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी की शिक्षा में भारत और श्रीलंका का चोली दामन का साथ है। शिक्षा का आदान प्रदान दोनों देशों के बीच में सदा से सहयोग का एक प्रमुख क्षेत्र रहा है। हाल ही में, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई आई टी), मद्रास ने श्रीलंका तकनीकी परिसर में अपने पर-स्नातक (मास्टर्स) पाठ्यक्रमों का विस्तार शुरू किया है। इसके अलावा भारत देश हर साल श्रीलंका के छात्रों को पूरी तरह से वित्त पोषित सैकड़ों छात्र वृत्तियां प्रदान करता है, जिनमें स्नातक से लेकर डॉक्टरेट की पढ़ाई तक शामिल हैं। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों को श्रीलंका में अध्ययन करने के लिए अलग से वित्तीय सहायता योजनाओं की पेशकश की जाती है।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।